UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-189 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 21 जून 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी के प्राइमरी स्कूलों में 5 साल पढ़ा चुके शिक्षकों की चमकी किस्मत

इन 16 जिलों में आया बड़ा मौका

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ा रहे गुरुजी लोगों के लिए एक बहुत ही शानदार गुड न्यूज सामने आई है। अगर आपको सरकारी स्कूल में पढ़ाते हुए 5 साल से अधिक का समय बीत चुका है, तो योगी सरकार आपको एक बेहतरीन मंच और बड़ा मौका देने जा रही है।

ऐसे अनुभवी शिक्षकों का अब स्टेट रिसोर्स ग्रुप (एसआरजी) के लिए चयन होने वाला है। राज्य के 16 जिलों में एसआरजी के 22 खाली पदों पर जल्द से जल्द सलेक्शन प्रक्रिया पूरी करने का कड़ा निर्देश जारी किया गया है। आपको बता दें कि इस्तीफे या अन्य किन्हीं वजहों से खाली हुए इन महत्वपूर्ण पदों पर अब योग्य शिक्षकों को चुना जाएगा। अपर राज्य परियोजना निदेशक (समग्र शिक्षा) प्रेम रंजन सिंह की ओर से इस संबंध में सभी जरूरी आदेश और गाइडलाइंस जारी कर दी गई हैं। इस चयन में 5 साल की न्यूनतम सेवा के साथ-साथ उन शिक्षकों को विशेष तवज्जो दी जाएगी जिन्होंने राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार जीता हो और जिनका पिछला प्रदर्शन बेहतरीन रहा हो। अब आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि चयन होने के बाद इन एसआरजी (स्त्रह्म) शिक्षकों को आखिर क्या जिम्मेदारी संभालनी होगी। तो आपको बता दें कि ये एसआरजी शिक्षक उत्तर प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। इसके अलावा स्कूलों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करने और जिला स्तर पर सरकार के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को जमीन पर सही तरीके से लागू कराने का मुख्य जिम्मा इन्हीं के कंधों पर होगा। प्रशासन की तरफ से जारी की गई लिस्ट के मुताबिक, जिन जिलों में एसआरजी का चयन होना है, उनमें बुलंदशहर और प्रयागराज में सबसे ज्यादा तीन-तीन पद खाली हैं। इसके अलावा कुशीनगर और मेरठ में दो-दो और अंबेडकर नगर, अमरोहा, बांदा, बस्ती, एटा, गौतमबुद्ध नगर, हापुड़, हरदोई, झांसी, कौशांबी, लखीमपुर खीरी और सिद्धार्थनगर में एक-एक पद पर शिक्षकों को रखा जाएगा। शासन की तरफ से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने जिलों से दो-दो सबसे उत्कृष्ट शिक्षकों के नाम छांटकर आगामी 27 जून तक हर हाल में बोर्ड को भेज दें। एसआरजी के अलावा, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में छह-छह अकादमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) भी रखे जाने की बड़ी योजना है। इसके तहत राज्य भर में कुल 4956 एआरपी तैनात किए जाएंगे। ये एआरपी शिक्षक अपने-अपने ब्लॉक के परिषदीय प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में जाकर वहां पढ़ाई के स्तर को सुधारने में सीधे मदद करेंगे। इसके लिए भी वही शिक्षक पात्र होंगे जिन्होंने अपनी 5 साल की सेवा पूरी कर ली है। खास बात यह है कि इस पद पर आने वाले शिक्षकों को सरकार की तरफ से हर महीने 4500 रुपये का भारी-भरकम यात्रा भत्ता भी दिया जाएगा। इसके लिए ऐसे शिक्षक भी आवेदन कर सकेंगे जिनकी सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) में न्यूनतम पांच साल की अवधि बची हुई हो। शुरुआत में एक वर्ष के लिए शिक्षक को एआरपी के पद पर चयनित किया जाएगा, फिर उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर इसे तीन वर्ष तक विस्तार दिया जा सकेगा। ध्यान देने वाली बात यह है कि जो शिक्षक पहले ही तीन वर्ष तक एआरपी रह चुके हैं, उन्हें दोबारा आवेदन करने का मौका नहीं मिलेगा। इस पद को पाना इतना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि इसके लिए बकायदा एक पारदर्शी चयन प्रक्रिया तैयार की गई है। आवेदन करने वाले सभी इच्छुक शिक्षकों का कुल 100 अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। इसमें से 70 अंक पूरी तरह लिखित परीक्षा के होंगे और बाकी बचे 30 अंकों के लिए एक विशेष साक्षात्कार (इंटरव्यू) लिया जाएगा।

रेलवे ने लिया बड़ा फैसला, अब ट्रेन में बिना टिकट यात्रा पर भरना होगा दोगुना जुर्माना

(यंग भारत न्यूज)

रेलवे ने अपराध और नियमों के उल्लंघनों के लिए जुर्माने की राशि बढ़ा दी गई है. नए आदेश के तहत अब सीधे मुकदमा नहीं होगा बल्कि पहले पेनल्टी लगाई जाएगी और अगर पेनल्टी नहीं भरी गई तब मामला अदालत में जाएगा. जानकारी के अनुसार, सरकार ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 के तहत रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 137 और 138 में बदलाव किए हैं. इसके तहत अब न्यूनतम जुर्माना 250 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि अब यदि कोई यात्री बिना टिकट, बिना वैध पास या अधिकृत दूरी से आगे यात्रा करते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे पहले की तुलना में दोगुना न्यूनतम पेनल्टी भरना होगा. रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 137 के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर बिना उचित टिकट या पास के यात्रा करता है तो उसपर जुर्माना और सजा होगी. पहले की व्यवस्था में न्यूनतम जुर्माना 250 रुपये और अधिकतम 6 महीने तक की जेल या 1,000 रुपये तक जुर्माना या दोनों होती थी. इसके अलावा यात्रा किराए के अलावा अतिरिक्त शुल्क भी देना पड़ता था. नए आदेश के तहत अब न्यूनतम जुर्माना बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है.अधिकतम सजा में कोई बदलाव नहीं किया गया है जबकि अतिरिक्त शुल्क और किराया वसूली की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी. धारा 138 उन यात्रियों पर लागू होती है जो बिना वैध टिकट

या पास के यात्रा करते हैं, या टिकट में निर्धारित दूरी से आगे यात्रा करते हैं. इसमें पहले न्यूनतम अतिरिक्त जुर्माना 250 रुपये था लेकिन अब न्यूनतम अतिरिक्त जुर्माना 500 रुपये कर दिया है. हालांकि, यात्रा किए गए वास्तविक दूरी का किराया और अन्य अतिरिक्त शुल्क की व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है. नए बदलाव के तहत अब रेलवे ने फैसला किया है कि खतरनाक वस्तुएं ले जाने पर कम से कम 10,000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा और गंभीर मामलों में जेल की सजा भी हो सकती है. इतना ही नहीं, किसी अन्य व्यक्ति के नाम का टिकट लेकर यात्रा करने पर टिकट जब्त होगा और यात्री को टिकट का किराया और कम से कम 500 रुपये अतिरिक्त शुल्क देना होगा. बिना लाइसेंस सामान बेचने, फेरी लगाने या रेलवे परिसर में भीख मांगने पर 2,000 रुपये तक की पेनल्टी लगेगी.

वहीं, नियम का बार-बार उल्लंघन करने पर जेल और अधिक जुर्माने का प्रावधान रखा गया है. नए नियम के तहत अब ट्रेन या स्टेशन पर नशे में यात्रियों को परेशान करने पर टिकट जब्त किया जा सकता है. इसके साथ 1,000 रुपये तक जुर्माना, जेल या सामुदायिक सेवा की सजा हो सकती है. यात्री क्षेत्र में बिना अनुमति प्रवेश करने या वहां से जाने से इनकार करने पर 500 रुपये पेनल्टी लगेगी. रेलवे की अन्य संपत्तियों में घुसपैठ करने पर 5,000 रुपये तक जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान है. पुरुष यात्री द्वारा महिला आरक्षित डिब्बे, सीट या कक्ष में अनधिकृत रूप से प्रवेश करने पर 2,500 रुपये पेनल्टी लगेगी. पेनल्टी न भरने पर अदालत में मामला जाएगा और 5,000 रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है. स्टेशन परिसर में गलत पार्किंग, वन-वे नियम तोड़ने या ट्रैफिक बाधित करने पर 500 रुपये पेनल्टी लगेगी. रेलवे बोर्ड ने नियमों में संशोधनों की सभी जोनल रेलवे को पत्र भेजकर दी है. हालांकि नए प्रावधानों को लागू करने की अधिसूचना अलग से जारी होगी. वहीं रेलवे ने टीटीई, वाणिज्यिक कर्मचारियों, आरपीएफ और अन्य फील्ड स्टाफ को निर्देश दिया है कि 1 जुलाई 2026 या उसके बाद दर्ज होने वाले मामलों में संशोधित जुर्माने की राशि लागू की जाए. रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना, नियमों के पालन को बढ़ावा देना, रेलवे राजस्व की सुरक्षा करना और टिकट जांच व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है.

क्या अखिलेश ने स्वयं फैलाई थी सपा टूटने की खब

लखनऊ द्य सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने ने ही सपा के टूटने की खबर

(यंग भारत न्यूज)

फैलवाई थी वह देखना चाहते थे कि जो गुप्त खबर मिल रही थी कि उनके दल के कुछ लोग दल तोड़ना चाहते थे फलस्वरूप फिलहाल सपा का विभाजन रोक दिया। अब खबर छन कर आ रही है कि मायावती से अमित शाह की कुछ बातें हुई है वे सपा सांसदों को टूट करवा कर बाद में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन अथवा बहिर्गमन कर संशोधन पास करने में लाभ मिल जायेगा। एक उपमुख्यमंत्री द्वारा सपा टूटने के बयान पर उन्हें दिल्ली तलब कर अमित शाह ने थोड़ी नसीहत दी है कि भाजपा के दरवाजे प्रवेश के लिए बन्द है। हां लोग चाहे तो शिवसेना शिन्दे एनसीपी सुनेत्रा अपना दल सुसापा निषाद पार्टी और वह पार्टी जिसमें ममता बनर्जी के 20सांसद शामिल हुऐ हैं वह शामिल हो सकते हैं ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि बहुजन समाज पार्टी भी एन डी ए के समर्थन में आ जायेगी और ऐसी ही खबरें अमित शाह और मायावती के साथ वार्ता की बात लखनऊ में सुनाई दे रही है। रही थी कि उनके दल के कुछ लोग दल तोड़ना चाहते थे फलस्वरूप फिलहाल सपा का विभाजन रोक दिया। अब खबर छन कर आ रही है कि मायावती से अमित शाह की कुछ बातें हुई है वे सपा सांसदों को टूट करवा कर बाद में भारतीय जनता पार्टी को समर्थन अथवा बहिर्गमन कर संशोधन पास करने में लाभ मिल जायेगा। एक उपमुख्यमंत्री द्वारा सपा टूटने के बयान पर उन्हें दिल्ली तलब कर अमित शाह ने थोड़ी नसीहत दी है कि भाजपा के दरवाजे प्रवेश के लिए बन्द है। हां लोग चाहे तो शिवसेना शिन्दे एनसीपी सुनेत्रा अपना दल सुसापा निषाद पार्टी और वह पार्टी जिसमें ममता बनर्जी के 20सांसद शामिल हुऐ हैं वह शामिल हो सकते हैं ऐसे भी संकेत मिल रहे हैं कि बहुजन समाज पार्टी भी एन डी ए के समर्थन में आ जायेगी और ऐसी ही खबरें अमित शाह और मायावती के साथ वार्ता की बात लखनऊ में सुनाई दे रही है। वैसे भाजपा के खेमे में चर्चा यह है कि अब लगभग 20 दिन बाद संसद का पावस सत्र शुरू होने के पहले अब गोपनीय तरीकेसेसपा केएक कद्दावर नेता के नेतृत्व में सपा में टूट कर आकर उन्हें एनडीए के किसी सहयोगी दल में शामिल करवाया जाएगा

राम मंदिर चढ़ावा घटा जिम्मेदारों की संपत्ति बढ़ी

योगी का चंपत राय से किनारा तो डैमेज कंट्रोल में जुटी बीजेपी!

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे से प्राप्त नगदी और सोने में हुई कथित चोरी के मामले ने इस समय उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति में भारी भूचाल ला दिया है।

राम मंदिर आंदोलन के बूते सत्ता के शिखर पर पहुंची भारतीय जनता पार्टी के लिए 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक होने के कारण यह पूरा घटनाक्रम बेहद संवेदनशील और राजनीतिक रूप से नुकसानदेह साबित हो रहा है। खबरों कि मानें तो राम मंदिर में चंदा से लेकर चढ़ावे तक के गबन के इस मामले के प्रकाश में आने पर श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट आयी जिसका असर मंदिर मैं आने वाले चढ़ावे पर भी रहा। जानकारी के मुताबिक प्रतिमाह औसतन करीब 07 करोड़ के चढावे के मुकाबले पिछले 15 दिनों में केवल 1 15 करोड़ यानी 80 फीसदी का ही चढ़ावा चढ़ा है।

यानी प्रकरण के सामने आने पर जांच के बीच राम मंदिर में दान और दर्शन दोनों पर असर देखा गया है। जबकि इस पूरे

प्रकरण में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के करीबी सहयोगियों और उनके पूर्व ड्राइवर टिन्नू यादव पर मंदिर के चढ़ावे में करोड़ों रुपये के गबन के गंभीर आरोप लगने तथा उनकी संपत्ति में अप्रत्याशित रूप से उछाल व बरामदगी की बात सामने आयी। जानकारों की मानें तो राम मंदिर में दान और दर्शन की इसी कमी और विपक्षी हमले के दृष्टिगत हिंदुत्व का नारा देने वाली भारतीय जनता पार्टी के माथे पर बल ला दिया। और इस प्रकरण के सामने आने पर अयोध्या में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी पर भरोसा और आमजन से अपील किया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने मर्यादित रहते हुए 500 वर्षों तक संघर्ष किया है, 15 दिन और इंतजार कर लें, कोई अपराधी है तो बचेगा नहीं। एसआईटी जांच कर रही, दूध का दूधपानी का पानी होगा। हांलांकि सियासी हलकों में इस बात कि चर्चा तब और बढ़ गयी जब शुक्रवार को अयोध्या दौरे और राम मंदिर दर्शन कार्यक्रम से जिला प्रशासन द्वारा जारी प्रोटोकाल में चम्पत राय का जिक्र आया और उन्हें अपने किसी प्रतिनिधि को भेजने को कहा गया। खबरों के मुताबिक जिला प्रशासन ने खुद चंपत राय से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से दूरी बनाने का लिखित अनुरोध किया। प्रशासन द्वारा मंदिर ट्रस्ट को भेजे गए सीएम के प्रोटोकॉल में कहा कि चंपत राय इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी जगह किसी अन्य व्यक्ति को नामित कर दें। जबकि अयोध्या में राममंदिर निर्माण के बाद से अमूमन हर प्रमुख की अगवानी खुद चंपत राय ही करते रहे हैं। ऐसे में जानकारों का मानना है कि मंदिर में चढ़ावा चोरी के गंभीर आरोपों के बीच सरकार चंपत राय से दूरी बनाकर साफ संदेश देना चाहती है। चंदा चोरी विवाद के साए के बीच चंपत राय को मुख्यमंत्री के आधिकारिक कार्यक्रमों और मंच से पूरी तरह दूर रखने का निर्देश दिया गया। सीएम योगी की इस दूरी को एक कड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने साफ संदेश दिया है कि इस मामले में 'दूध का दूध और पानी का पानी' किया जाएगा और आस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। फ़िलहाल मामले में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव का नाम आने से फेस सेविंग की भी कोशिश जारी है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित भाजपा व संघ से जुड़े तमाम दिग्गज नेता इस विवाद से निपटने और संगठन की छवि बचाने में जुट गए हैं। राम मंदिर में चोरी प्रकरण से पल्ला झाड़ने वाले और खुद को निर्माण कार्य तक सीमित बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी के अति विश्वसनीय और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मीडिया में कहा कि काउंटगि रूम के पास एक टॉयलेट है, जहां चढ़ावे का पैसा मिला। इसकी जानकारी चंपत राय को हुई। इसके बाद जांच के लिए एसआईटी का गठन हुआ। काउंटगि का काम 40 से 44 लोग करते हैं, फलिहाल शक की सुई इन्हीं लोगों पर है।' वहीं झाँसी दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि चंपत राय आदरणीय और पूजनीय व्यक्ति हैं, जिन्होंने रामकाज के लिए अपना जीवन समर्पित किया है और राम मंदिर आंदोलन में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से चंपत राय को अलग रखे जाने के सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि यह विषय मुख्यमंत्री के अधिकार क्षेत्र का है। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर उन्होंने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसे सजा मिलेगी। मामले की जांच चल रही है और कानून अपना काम कर रहा है। बताते चलें कि प्रकरण के शुरुआती दौर में ट्रस्ट और भाजपा के कुछ नेताओं ने इन आरोपों को निराधार बताया था ताकि जनता और श्रद्धालुओं के बीच पार्टी और राम मंदिर आंदोलन की छवि धूमिल न हो। उधर विपक्ष का हमला इस पूरे प्रकरण को लेकर जारी है।

पुरवार दंपति का अनूठा 'संगीत संसार', जहां सिक्कों, डाक टिकटों और दुर्लभ कलाकृतियों में बसती है संगीत की विरासत

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, अध्यात्म और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत स्वरूप है। विश्व भर में 21 जून को विश्व संगीत दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1982 में फ्रांस के तत्कालीन संस्कृति मंत्री जैक लैंग और संगीतकार मॉरिस फ्लरेट द्वारा शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य संगीत को जन-जन तक पहुंचाना और उसकी सार्वभौमिक शक्ति को सम्मान देना था। भारत जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक देश में संगीत को सदैव जीवन का अभिन्न अंग माना गया है। सनातन परंपरा में भगवान शिव, ब्रह्मा तथा देवी सरस्वती को संगीत का प्रवर्तक माना जाता है।

इसी संगीत साधना और विरासत को संजोने का एक अनूठा प्रयास उरई के प्रतिष्ठित दंपति डॉ. हरीमोहन पुरवार एवं श्रीमती संध्या पुरवार ने किया है। उनके द्वारा वर्षों से संकलित

किया गया 'संगीत संसार' आज संगीत प्रेमियों, शोधकर्ताओं और संग्रहकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पुरवार दंपति के संग्रह में भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के अनेक देशों की ऐसी दुर्लभ मुद्राएं और नोट सुरक्षित हैं जिन पर संगीत, नृत्य और कला की झलक दिखाई देती है। यूक्रेन, घाना, फिजी, अमेरिका, ट्रिनिडाड, नेपाल, हंगरी, इजराइल, स्पेन, मोनाको, मालदीव, भूटान और श्रीलंका सहित अनेक देशों की मुद्राओं पर विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र अंकित हैं। वहीं ऑस्ट्रिया, चिली, इटली और अन्य यूरोपीय देशों की मुद्राओं पर वहां की पारंपरिक नृत्य शैलियों का सुंदर चित्रण देखने को मिलता है। संग्रह में किर्गिस्तान के नोट पर वहां के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र 'कोमूज', बेलारूस के नोट पर बैले नृत्य और फ्रांस के नोट पर विश्व प्रसिद्ध संगीतकार हेक्टर बार्लियोज का चित्र विशेष आकर्षण का केंद्र है। भारत की बात करें तो वर्ष 1981 में बाल दिवस के अवसर पर जारी 100 रुपये मूल्य का अर्ध-रजतीय अपरिचालित सिक्का भी इस संग्रह में सुरक्षित है, जिसमें बच्चों को वाद्य यंत्र बजाते और नृत्य करते हुए दर्शाया गया है। संग्रह की अमूल्य निधियों में भक्त कवयित्री मीराबाई की मुद्रा, जिसमें वे एकतारा बजाती हुई दिखाई देती हैं, संत तुकाराम तथा महान गायिका डॉ. एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी से संबंधित मुद्राएं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त थाईलैंड की एक मुद्रा पर भगवान श्रीकृष्ण की नागनाथ लीला तथा पलाऊ देश के रंगीन सिक्कों पर भगवान शिव, भगवान कृष्ण और देवी सरस्वती के चित्र अंकित हैं, जो भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता को भी दर्शाते हैं। पुरवार दंपति का संगीत संसार केवल सिक्कों और नोटों तक सीमित नहीं है। इसमें घंटा, घड़ियाल, घंटियां, रमतूला, चटकोला, सिंगारी, कैकड़िया, बांसुरी, शंख, डमरू, झांझ और करताल जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र भी सुरक्षित हैं। इनके साथ पुराने जमाने के ग्रामोफोन, ट्रांजिस्टर और टेप रिकॉर्डर भी संग्रह की शोभा बढ़ाते हैं, जो संगीत के विकास की यात्रा का जीवंत दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं। संग्रह में भगवान नटराज, देवी सरस्वती तथा राधा-कृष्ण की अनेक मूर्तियां भी हैं। बांसुरी बजाते और नृत्य करते श्रीकृष्ण तथा वीणावादिनी मां सरस्वती की आकृतियों से युक्त प्राकृतिक शंख संग्रह को और भी समृद्ध बनाते हैं। इन सभी शंखों की विशेषता यह है कि वे पूर्णत: प्राकृतिक हैं और उन पर कलात्मक आकृतियां उकेरी गई हैं। डाक टिकटों का विशाल संग्रह भी इस संगीत संसार की विशिष्ट पहचान है। देश-विदेश के डाक टिकटों पर अंकित वाद्य यंत्रों, भक्त कवियों और महान संगीतज्ञों के चित्र संगीत इतिहास की समृद्ध परंपरा का परिचय कराते हैं। इनमें शहनाई सम्राट उस्ताद बिस्मिल्लाह खां, वायलिन वादक वी.जी. जोग, सितार वादक पंडित रविशंकर, सरोद वादक उस्ताद अली अकबर खां, वीणा वादिका वीणा धनम्मल और उस्ताद शबरी खान जैसी विभूतियों के साथ-साथ एम.एल. वसंतकुमारी जैसे महान कलाकारों के डाक टिकट भी सुरक्षित हैं। गायन क्षेत्र की महान हस्तियों में पंडित भीमसेन जोशी, गंगूबाई हंगल, पंडित जसराज, मन्ना डे, किशोर कुमार, मोहम्मद रफी, गीता दत्त, भूपेन हजारिका और पंकज कुमार मलिक जैसे दिग्गज कलाकारों से संबंधित डाक टिकट भी संग्रह का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मलेशिया के पंखा नृत्य और यूक्रेन के लोक नृत्य से संबंधित मिनिएचर शीट्स भी दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। संग्रह की सबसे दुर्लभ धरोहरों में बलुआ पत्थर से निर्मित लगभग छह इंच ऊंची वीणाधारिणी देवी सरस्वती की प्रतिमा है, जिसे 12वीं से 14वीं शताब्दी के मध्यकाल का माना जाता है। यह प्रतिमा अपने आप में एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है। इसके अलावा पुरवार दंपति ने संगीत और कला से संबंधित अनेक प्राचीन पेंटिंग्स भी संजोकर रखी हैं। इनमें उड़िया शैली की मां सरस्वती, राधा-कृष्ण, ताड़पत्र पर अंकित नृत्यरत भगवान गणेश, राजपूताना शैली और बुंदेलखंडी शैली की मनोहारी चित्रकृतियां शामिल हैं। स्वर्गलोक की नौ अप्सराओं के चित्र भी इस संग्रह को विशिष्ट बनाते हैं।

संगीत विषयक दुर्लभ माचिसों का संग्रह भी यहां देखने को मिलता है। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर पुरवार दंपति का यह संग्रह न केवल संगीत और कला के प्रति उनकी गहरी रुचि का परिचायक है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखने का प्रेरणादायी उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। उनका यह 'संगीत संसार' वास्तव में संगीत, संस्कृति, इतिहास और अध्यात्म का अद्भुत संगम है, जो हर दर्शक को मंत्रमुग्ध कर देता है।

गड़ेरना में लकड़ी से लदा ट्रक पलटा, अवैध कटान और परिवहन पर उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)। जालौन जिले की माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के गड़ेरना उर्फ गणेश नगर में देर रात्रि लकड़ी से लदा एक ट्रक पलट जाने के बाद अवैध कटान और लकड़ी के कारोबार को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। ट्रक के पलटते ही उसमें लदी लकड़ी मुख्य मार्ग पर बिखर गई, जिससे किसी भी समय बड़ा सड़क हादसा हो सकता था। हालांकि गनीमत रही कि घटना के समय मार्ग पर अधिक आवागमन नहीं था और कोई जनहानि नहीं हुई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि लकड़ी वैध रूप से परिवहन की जा रही थी तो फिर उसे देर रात में क्यों ले जाया जा रहा था। लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर किसकी शह पर क्षेत्र में लकड़ी का कटान और परिवहन किया जा रहा है। वहीं ट्रक पलटने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। घटना के बाद क्षेत्रीय वन कर्मियों द्वारा यह कहा जा रहा है कि ट्रक में लदी लकड़ी छूट प्रजाति की थी, जिसके परिवहन में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं थी। लेकिन स्थानीय लोगों का तर्क है कि यदि लकड़ी पूरी तरह वैध और छूट प्रजाति की थी, तो उसका परिवहन दिन के समय भी किया जा सकता था। रात के अंधेरे में परिवहन किए जाने से संदेह और गहरा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से लकड़ी का कटान और व्यापार जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि लकड़ी के कटान और परिवहन में सभी नियमों का पालन किया गया था या नहीं। फिलहाल ट्रक पलटने की घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब लोगों की नजर प्रशासन और वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई है कि मामले की जांच कर सच्चाई सामने लाई जाती है या नहीं।

माधौगढ़ सरकारी स्वास्थ्य केंद्र बना दलालों का अड्डा, त्रस्त हैं गरीब मरीज

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन) नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (ष्ट।ष्ट) इस समय बदहाली और अव्यवस्था का शिकार है। यह अस्पताल अब गरीब मरीजों के इलाज का जरिया कम और दलालों की कमाई का अड्डा ज्यादा बन चुका है। अस्पताल परिसर में सुबह से ही दलालों का जमावड़ा लग जाता है, जो सीधे तौर पर वहां की चिकित्सा व्यवस्था को प्रभावित कर रहे हैं।

अस्पताल में दूर-दराज के गांवों से आने वाले गरीब मरीजों को डॉक्टरों को दिखाने के लिए कई-कई घंटों तक कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इसके विपरीत, जिन मरीजों का संपर्क इन सक्रिय दलालों या वहां तैनात सिक्योरिटी गार्डों से होता है, उन्हें बिना किसी लाइन के सीधे डॉक्टर के कमरों में एंट्री मिल जाती है। जो मरीज रिश्वत देने या दलालों की मिन्नतें करने में असमर्थ हैं, उन्हें भारी मुसीबतें झेलनी पड़ती हैं। यह सीधे तौर पर आम जनता के स्वास्थ्य अधिकारों का हनन है। इस पूरी अव्यवस्था के लिए मुख्य रूप से तीन पक्ष जिम्मेदार हैं:

अस्पताल के भीतर क्या चल रहा है, इसकी निगरानी करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। दलालों और सिक्योरिटी गार्डों की इस सांठगांठ पर आंखें मूंद लेना प्रशासन की शिथिलता को दर्शाता है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमह्) और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों द्वारा समय-समय पर औचक निरीक्षण न करना और भ्रष्ट तत्वों पर कड़ी कार्रवाई न करना इस हौसले को बढ़ाता है। कुछ डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की मूक सहमति भी इसके लिए समान रूप से जिम्मेदार है।जब तक स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस सांठगांठ के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाएगा, तब तक माधौगढ़ के गरीब मरीजों को न्याय मिलना असंभव है। इस व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की सख्त जरूरत है।

कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय माधौगढ़ में शिक्षा चौपाल आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। शिक्षा के क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय माधौगढ़ में रात्रिकालीन शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी, विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक, एआरपी टीम एवं ब्लॉक संसाधन केंद्र के स्टाफ ने भाग लिया।

चौपाल में 50 से अधिक अभिभावकों ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने, उनकी कॉपी और गृहकार्य पर नजर रखने की अपील की। साथ ही बताया कि विद्यालय में कंप्यूटर लैब और डिजिटल बोर्ड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में शिक्षक अमित गुप्ता ने शिक्षा को परिवार की सामाजिक व आर्थिक उन्नति का माध्यम बताया। एआरपी आशुतोष ने निपुण भारत अभियान तथा विकास सेंगर ने दीक्षा एप की जानकारी दी। इस दौरान अभिभावकों ने कक्षा 8 के बाद उच्च शिक्षा को लेकर जानकारी मांगी, जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका कुमोदिनी देवी सहित विद्यालय व ब्लॉक संसाधन केंद्र का स्टाफ मौजूद रहा।

हिंदू महासभा के बैनर तले कैंडल जलाकर महारानी लक्ष्मीबाई को दी गई श्रद्धांजलि

(यंग भारत न्यूज)

कोंच प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की प्रणेता और देश को अंग्रेजी हुकूमत से मुक्त कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाली बुंदेलखंड की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर अखिल भारत हिंदू महासभा के तत्वाधान में श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। लोगों ने रानी झांसी के अदम्य साहस, वीरता और राष्ट्रभक्ति को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सर्वप्रथम चंदकुआं स्थित स्मारक पर महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर लोगों ने कैंडल जलाकर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इसके बाद पंडित रामस्वरूप रावत मेमोरियल इंटर कालेज में आयोजित विचार गोष्ठी में महासभा के अध्यक्ष रामभूषण उदैनिया ने महारानी लक्ष्मीबाई के जीवन और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि झांसी की रानी ने अपने अद्वितीय शौर्य और पराक्रम से इतिहास में अमिट स्थान बनाया है। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया जो देशवासियों के लिए सदैव ही प्रेरणा स्रोत रहेगा। वह केवल एक वीर योद्धा ही नहीं बल्कि महिला शक्ति, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की प्रतीक भी हैं। उनका जीवन युवा शक्ति खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस नहीं खोया और देश की स्वतंत्रता के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करती रहीं। ऐसे महान व्यक्तित्वों के बलिदान को याद करना और आने वाली पीढ़ी तक उनके आदर्शों को पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। इस मौके पर गोपालदास बंगरा, नीलेश दीक्षित, रामकुमार विरथरे, डॉ. वरुण पाठक, कार्यक्रम आयोजक आनंद पांचाल, शिक्षाविद विजय रावत, लोकेंद्र याज्ञिक, अंजू शर्मा, विवेक तिवारी, अखिलेश व्यास, दिनेश सोनी, आकाश खरे सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

'श्री रामलीला आयोजन में मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला नेता जी ने फीता काटकर शुभारंभ किया

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद यमुना तट पर स्थित ग्राम खेड़ा मुस्तिकिल की पावन धरा पे नमामि गंगे की पानी की टंकी वाले परिसर में श्री सीताशरण प्रजापति जी, श्रीमति मीना देवी के द्वारा आयोजित श्री रामलीला के आयोजन में मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला नेताजी ने फीता काटकर शुभारंभ कर श्री राम दरबार की आरती कर क्षेत्र की सुख समृद्धि उन्नति एवं जनकल्याण की मंगलकामना करते हुए मंच के माध्यम से कहा इसे रामलीला, यज्ञ, कथा भागवत जैसे आयोजनों से हमारी परम्परा संस्कृति जीवित है, हमारे भविष्य के बच्चों नवजवानों को मर्यादा पुरुषोत्तम धारी श्री राम चन्द (रामायण) के बारे में जानकारी के साथ कुछ सीखने को मिलता है और बताया कि उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार के माननीय मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाजपा सरकार के 12 वर्ष बेमिसाल के वर्षों के बीच में सनातन धर्म जुड़े अयोध्या,काशी में राम मन्दिर शंकर जी का मन्दिर बना है और आगे मथुरा की भी बारी हम सबके के लिए बड़े गर्भ की बात है, सनातन धर्म के पुजारी योगी बाबा जी के द्वारा आगे भी सनातन धर्म के प्रति और विकास देखने को मिलेगा भागवत कथा में हरिबाबू प्रधान, भाजपा मण्डल प्रभारी अमित नीखरा, शिवम् प्रजापति, दीपक प्रजापति, मुन्नी, गुड्डन, महावीर, रामखिलवन, शिवपूजन राजपूत सैकड़ों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे !

अग्नि पीड़ित को 10 हजार रुपये की सहायता राशि का सौपा चेक

-विधायक गौरी शंकर वर्मा के प्रयास से मिली सरकारी सहायता

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने मुख्यमंत्री खेत-खलिहान अग्निकांड दुर्घटना सहायता योजना के अंतर्गत ग्राम शहजादेपुर निवासी कृषक रमेशचंद्र पुत्र जगत सिंह को 10 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक नवीन गल्ला मंडी के कार्यालय मे प्रदान की।

कृषक रमेशचंद्र के खेत में खड़ी गेंहू की फसल में आग लग जाने से उन्हें आर्थिक क्षति हुई थी। क्षति के आकलन के उपरांत शासन की योजना के तहत उन्हें सहायता राशि उपलब्ध कराई गई। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति संवेदनशील है तथा प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी के तहत किसान को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। इस मौके पर मंडी सचिव अंकित गुप्ता भी रहे।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने विद्यालयों की वास्तविक स्थिति की समीक्षा के लिए बीएसए से मांगी आख्या

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। तहसील क्षेत्र में संचालित विद्यालयों की वास्तविक स्थिति की समीक्षा के लिए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से विस्तृत एवं प्रमाणिक आख्या मांगी है। इस संबंध में जारी पत्र में उन्होंने तीन दिवस के भीतर बिंदुवार सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी को जारी पत्र में तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संचालित शासकीय, अर्धशासकीय, सहायता प्राप्त एवं मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की संख्या पृथक-पृथक मांगी गई है। इसके साथ ही बिना मान्यता अथवा निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर संचालित विद्यालयों की संख्या एवं उनके विरुद्ध की जा रही विभागीय एवं वैधानिक कार्यवाहियों का विवरण भी मांगा गया है। पत्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षिक सत्र 2024-25, 2025-26 एवं 2026-27 के लिए विद्यालयवार निर्धारित प्रवेश क्षमता एवं वास्तविक प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या की जानकारी भी तलब की गई है। इसके अलावा ऐसे विद्यालयों की सूची भी मांगी गई है, जिन्होंने आरटीई के तहत निर्धारित संख्या से कम प्रवेश दिए हैं और उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई का ब्यौरा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने आरटीई प्रवेश से संबंधित प्राप्त शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की भी जानकारी मांगी है। सभी अभिलेखों सहित निर्धारित प्रारूप में आख्या तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराने की भी बात कहीं है।

कांग्रेसियों ने मनाया राहुल का जन्मदिन दीर्घायु की कामना की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पार्टी के महासचिव राहुल गांधी का जन्मदिन कांग्रेसियों ने सरोजिनी नायडू पार्क में उत्साह के साथ मनाया। उन्होंने राहुल के चित्र के समक्ष केक काटा और उनकी दीर्घायु की कामना की।

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी की अगुवाई में पार्टी जनों ने सरोजिनी नायडू पार्क में राहुल गांधी का जन्मदिन केक काटकर मनाया और उनकी दीर्घायु तथा उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी जिंदाबाद, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहुल के राजनीतिक योगदान, जन सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता तथा देश के युवाओं, किसानों और मजदूरों की आवाज को मजबूती से उठाने के प्रयासों की सराहना की। राघवेंद्र तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी लगातार आम जनता के हितों से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाते हैं और उनके नेतृत्व में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा एवं दिशा मिली है। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रमोद शुक्ला, श्रीनारायण दीक्षित, अनिल पटेरिया, लकी दुवे, नासिर सेठ, विनोद कुशवाहा, विशाल, आजादउद्दीन, सिराजउद्दीन, जाहिद, सज्जन कुमार, सरताज, कासिम, शमशुद्दीन, छोटेलाल, पप्पू राईन आदि उपस्थित रहे।

प्राचीन सामुदायिक कुएं के सौंदर्यीकरण और मरम्मत कराने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। मोहल्ला सहावनाका स्थित प्राचीन सामुदायिक कुएं के सौंदर्यीकरण और मरम्मत कराने की मांग मोहल्लेवासी ने की है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह कुआं वर्षों पुरानी सामाजिक और ऐतिहासिक धरोहर है, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति जर्जर हो चुकी है और इसे संरक्षण की आवश्यकता है।

मोहल्ला दलालनपुरा निवासी जितेंद्र, बहादुर सिंह आदि ने बताया कि मोहल्ला सहावनाका में प्राचीन सामुदायिक कुआं लंबे समय से क्षेत्र की पहचान रहा है। समय के साथ इसकी हालत खराब होती चली गई है और अब इसके सौंदर्यीकरण तथा मरम्मत की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बताया कि नगर क्षेत्र के अधिकांश पुराने कुओं का सौंदर्यीकरण कराया जा चुका है, जिससे उनकी उपयोगिता और सुंदरता दोनों बढ़ी हैं। लेकिन यह प्राचीन कुआं अभी तक इस योजना से वंचित है। आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार सभासद से भी कहा गया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। उन्होंने एसडीएम से मांग करते हुए कहा कि संबंधित अधिकारियों द्वारा कुएं का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए और उसकी साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक मरम्मत का कार्य शीघ्र कराया जाए। इससे न केवल एक ऐतिहासिक धरोहर संरक्षित होगी, बल्कि मोहल्ले के लोग भी इस प्राचीन कुएं के जल का उपयोग कर सकेंगे।

ग्राम कनासी के पास हुआ सड़क हादसा,दो गंभीर रूप से घायल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शुक्रवार की देर रात नदीगांव रोड स्थित कनासी के पास पुलिया मोड़ पर हुआ, जहां एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मोहित शर्मा उम्र 30 वर्ष पुत्र राधेश्याम निवासी लहार, जिला भिंड मप्र अपने मित्र ब्रजेन्द्र कुशवाहा उम्र 34 वर्ष पुत्र रामतीर्थ निवासी लहार, जिला भिंड के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए कोंच आ रहे थे।तभी नदीगांव रोड पर कनासी के पास पुलिया मोड़ पर उनकी बाइक अचानक फिसल गई, जिससे दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद वहां से गुजर रहे राहगीरों ने तत्काल घायलों की सहायता की और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। सीएचसी कोंच में तैनात डॉ. गौरव शर्मा ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने मौके पर पहुंची पुलिस ने भी मामले की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे का कारण बाइक का फिसलना बताया जा रहा है।

किसानों को पिछले करीब 20 दिनों से नहीं मिल पा रही है पर्याप्त बिजली

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। लहचूरा क्षेत्र के किसानों को पिछले करीब 20 दिनों से पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे खेतों की सिंचाई और धान की बुवाई प्रभावित हो रही है। किसानों ने आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद बिजली निगम समस्या का समाधान नहीं कर रहा है। लहचूरा क्षेत्र के किसान आदित्य सिंह, पंकज आदि ने बताया कि कोंच पावर हाउस से ग्रामीण क्षेत्रों और खेतों में लगे सरकारी और निजी नलकूपों की बिजली लाइनें अलग-अलग किए जाने के बाद से क्षेत्र में नियमित बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। किसानों का कहना है कि करीब 20 दिन पहले आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के दौरान कई बिजली पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके बाद से विद्युत व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि टूटे हुए पोलों को अब तक बदला या दुरुस्त नहीं किया गया है, जिसके कारण खेतों तक बिजली नहीं पहुंच पा रही है। आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार एसडीओ और जेई से शिकायत की गई, लेकिन हर बार केवल जल्द सप्लाई बहाल करने का आश्वासन दिया गया। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। किसानों का कहना है कि वर्तमान में धान की बुवाई का समय चल रहा है। बिजली न मिलने से नलकूप बंद पड़े हैं और सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। यदि जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो धान की फसल को नुकसान हो सकता है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किसानों ने डीएम से बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल कराने और टूटे हुए बिजली पोलों की मरम्मत कराने की मांग की है।

अलग अलग स्थानों से पुलिस ने दो लोगों को अवैध शराब के साथ पकड़ा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। अलग अलग स्थानों से पुलिस ने दो लोगों को अवैध शराब के साथ पकड़ा है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। कोतवाली में तैनात एसआई आलोक पाल को सूचना मिली कि आमखेड़ा पुल के पास एक व्यक्ति अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छिरिया सलेमपुर निवासी राजाराम को 22 क्वार्टर के साथ पकड़ लिया। पूछने पर बताया कि वह शराब अवैध रूप से बेचने के लिए ले जा रहा था।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने दिखाई सख्ती, 145 शिकायतों में 28 का मौके पर निस्तारण

संवेदनशील मामलों में 9 अधिकारियों की टीम तत्काल मौके पर रवाना, अतिक्रमणकारियों व लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील कालपी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। समाधान दिवस में कुल 145 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 28 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर फरियादियों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता केवल शिकायतों का निस्तारण नहीं, बल्कि पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय दिलाना है। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, अतिक्रमण, चकरोड, विरासत, अंश निर्धारण एवं राजस्व अभिलेखों से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को मौके पर जाकर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त सात संवेदनशील प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई

करते हुए नौ अधिकारियों की संयुक्त टीमों को मौके पर रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में केवल औपचारिक रिपोर्ट प्रस्तुत न की जाए, बल्कि वास्तविक स्थिति का परीक्षण कर प्रभावी समाधान कराया जाए। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोहम्मदपुर निवासी लक्ष्मी देवी की मौजा बारा में विरासत दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत, सोहरनपुर निवासी सुरेंद्र कुमार की खतौनी में नाम दर्ज किए जाने की शिकायत, आटा निवासी मलखान एवं चिरौरा निवासी किशना देवी के अंश संशोधन संबंधी प्रकरण, उदनपुर निवासी सुरजी की अंश निर्धारण एवं नाम दर्ज करने की शिकायत तथा परशन निवासी रामगोपाल की खतौनी में हिस्सेदारी दर्ज किए जाने संबंधी शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर राहत प्रदान की गई। वहीं अहमदपुर दिवारा के गाटा संख्या 8/8 के अंश निर्धारण संबंधी शिकायत पर भी तत्काल कार्रवाई कर समाधान कराया गया। कार्यवाही के दौरान मिर्जामंडी निवासी सर्वेश कुमार गुप्ता द्वारा सरकारी भूमि एवं नाले पर अतिक्रमण की शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर उप जिलाधिकारी को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इटौरा गुरु के कमलेश बाबू, रामकली, रामऔतार, गयाप्रसाद, मोहन, रमेश, संतोष, जयकरन पाल, बलवान पाल एवं प्रताप द्वारा चकमार्ग संख्या-802 पर अवैध कब्जे की शिकायत किए जाने पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया। बिनौरा निवासी दिलीप कुमार एवं संदीप कुमार द्वारा भूमि कब्जे संबंधी शिकायत पर उप जिलाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।कालपी क्षेत्र के पवनदीप निषाद, उमाशंकर निषाद एवं महावीर द्वारा शेखपुर बुल्दा स्थित प्राचीन वेदव्यास मंदिर में पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे बोल्डर पिचिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर शिकायत की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने सिंचाई एवं आरईएस विभाग के अधिकारियों की संयुक्त जांच टीम गठित कर मौके पर भेज कर मानकों के अनुरूप जांच करने के निर्देश दिए। सिकरी रहमानपुर निवासी गोविंद सिंह द्वारा नाले पर अवैध कब्जे की शिकायत तथा बसरेही निवासी छोटेलाल द्वारा कृषि पट्टा भूमि की पैमाइश कराए जाने संबंधी शिकायत पर भी संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रदीप कुमार बाजपेई द्वारा चकरोड संख्या-621 पर मिट्टी डलवाने की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी महेवा को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर, इंदिरा नगर कालपी में इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य से संबंधित शिकायत भी सामने आई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई प्रारंभ करने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही एवं गुणवत्ता किसी भी स्तर पर बर्दास्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, चकरोड, अतिक्रमण एवं राजस्व संबंधी प्रकरणों का निस्तारण पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने भी पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्व विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर विवादित एवं संवेदनशील मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाए।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप यादव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एन. प्रसाद, उप जिलाधिकारी कालपी अमित शेखर सहित जनपद स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अमित पाल को सौंपी प्रांतीय सहसचिव की कमान

झांसी मंडल के तहत संगठन को गतिशील बनाने के लिए शीर्ष नेतृत्व ने दी जिम्मेदारी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ को सुदृढ़ एवं गतिशील बनाने तथा संवर्ग की सामूहिक समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रांतीय कार्यकारिणी द्वारा नई नियुक्तियां घोषित की गई हैं। संगठन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीलेश रंजन राव परमार एवं प्रदेश महामंत्री राहुल पटेल के द्वारा जारी इस सूचना के तहत मंडल स्तर पर खंडमंत्री व प्रांतीय सहसचिव के पदों पर अस्थाई नियुक्तियां की गई हैं। इस नई सूची के अनुसार, झांसी मंडल के अंतर्गत जालौन (उरई) जनपद के राजेंद्र नगर, करमेर रोड निवासी अमित कुमार पाल को प्रांतीय सहसचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि अमित कुमार पाल के अलावा अलीगढ़ मंडल से कासगंज की सुश्री शिवांजली भारद्वाज, चित्रकूट मंडल से हमीरपुर के योगेन्द्र पटेल, सहारनपुर मंडल से अनुपम चौहान तथा मुरादाबाद मंडल से बिजनौर के विनेश कुमार कासना को भी प्रांतीय सहसचिव मनोनीत किया गया है। संघ के शीर्ष नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ये नियुक्तियां अस्थाई हैं और संस्थागत कार्यों में शिथिलता या अनुशासनहीनता पाए जाने पर बिना किसी स्पष्टीकरण के पदमुक्त करने की कार्रवाई की जा सकती है। अमित पाल के मनोनयन पर स्थानीय लेखपाल संघ के साथियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

जनपद में दिखा योग का जनउत्साह, चार हजार लोगों ने निकाली पांच किलोमीटर जागरूकता रैली

टाउन हॉल से घंटाघर व रेलवे स्टेशन तक गूंजा योग का संदेश, प्रत्येक वार्ड से जुटे 100 से अधिक प्रतिभागी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व सुबह पर जनपद मुख्यालय उरई में योग के प्रति अभूतपूर्व जनउत्साह देखने को मिला। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में नागरिक स्वयं सड़क पर उतरकर दूसरों को योग के प्रति जागरूक करते नजर आए। लगभग चार हजार लोगों ने टाउन हॉल से चौक, घंटाघर एवं रेलवे स्टेशन मार्ग होते हुए करीब पांच किलोमीटर लंबी भव्य जनजागरूकता रैली निकालकर स्वस्थ जीवन के लिए योग अपनाने का संदेश दिया।

रैली को सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह ने टाउन हॉल परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में उरई के सभी वार्डों से 100 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, स्वयंसेवी संगठनों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योग को जनआंदोलन बनाने का संकल्प दोहराया। पूरे मार्ग में प्रतिभागी योग के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली तथा नियमित योगाभ्यास से होने वाले लाभों से संबंधित संदेश देते हुए आगे बढ़े। शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर नागरिकों ने रैली का स्वागत किया तथा योग के प्रति जागरूकता फैलाने के इस प्रयास की सराहना की। रैली के दौरान ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा शहर योगमय वातावरण में रंग गया हो। सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि योग भारत की सांस्कृतिक विरासत ही नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार है। उन्होंने सभी नागरिकों से 21 जून को आयोजित होने वाले सामूहिक योग कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता यह दर्शाती है कि जनपद में योग के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखते हुए दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा, तभी स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा। जनपद प्रशासन द्वारा आयोजित इस विशाल जनजागरूकता रैली ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित किया तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जालौन का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण पर जोर

-प्रमुख सचिव लोक निर्माण अजय चौहान विभाग ने किया जालौन-भिंड मार्ग का औचक निरीक्षण

- निर्माण स्थल पर कोर कटिंग कर परखी गुणवत्ता, मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार की विकास प्राथमिकताओं एवं मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के क्रम में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव एवं विभागाध्यक्ष अजय चौहान ने शनिवार को जनपद में जालौन-भिंड मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-70) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। झांसी मंडल के भ्रमण एवं समीक्षा बैठक में शामिल होने जाते समय उन्होंने मार्ग में रुककर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का स्थलीय परीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने निर्माणाधीन सड़क के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया तथा मौके पर ही तकनीकी मानकों की जांच कराई। उन्होंने निर्माण स्थल से कोर कटिंग कर सड़क की गुणवत्ता का परीक्षण कराया और विभिन्न मदों की माप एवं सामग्री की गुणवत्ता का सत्यापन किया। परीक्षण में कार्य निर्धारित मानकों एवं आकलन के अनुरूप पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि जालौन-भिंड मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की स्वीकृत लंबाई 18.680 किलोमीटर है, जिस पर लगभग 59.58 करोड़ रुपये की लागत से कार्य कराया जा रहा है। इस मार्ग को 10 मीटर चौड़ा विकसित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के आवागमन को और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकेगा। प्रमुख सचिव अजय चौहान ने निर्माण कार्य से जुड़े अभियंताओं एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को बेहतर एवं टिकाऊ आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और निर्माण कार्यों में मानकों की अनदेखी या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अभियंताओं एवं ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराए जाएं तथा गुणवत्ता नियंत्रण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को बेहतर सड़क सुविधाओं का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के संबंधित अभियंता एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए चलाया चैकिंग अभियान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए अवैध रुप से संचालित व परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध जनपद के विभिन्न मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। उक्त अभियान के दौरान परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाले 06 वाहनों के विरुद्ध चालान/निरुद्ध की कार्यवाही की गई।

सुरेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान वाहन चालकों को चेतावनी दी गयी कि वे अपने वाहनों के समस्त दस्तावेज (जैसे-परमिट, फिटनेस, बीमा, कर जमा का प्रमाण, पंजीयन प्रमाण पत्र आदि) दुरुस्त रखें व तय क्षमता के अनुसार ही सवारियाँ बैठायें तथायात्रियों की सुरक्षा के मानकों (जैसे-फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशामक यन्त्र आदि) का पूरा ध्यान रखें। सुरेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) द्वारा वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कहा गया कि यदि प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान कोई भी वाहन चालक उक्त नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाएगा तो उपरोक्त वाहन के पंजीयन/परमिट निरस्तीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, जिसका समस्त उत्तरदायित्व वाहन स्वामी/चालक का होगा। साथ ही वाहन चालकों को यह भी अवगत कराया गया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरन्तर जारी रहेगा। बिना वैध दस्तावेज या परमिट शर्तों के विपरीत वाहन चलानें वालों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

टीकर बालू घाट में माफियाओं के हौसले बुलंद

हैवी पोकलैंड मशीनों से बेतवा नदी का सीना किया जा रहा छलनी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद जालौन के विकास खंड डकोर क्षेत्र स्थित टीकर मौरंग खंड संख्या-1 की गाटा संख्या 1482 में अवैध खनन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप है कि रात के अंधेरे में भारी भरकम पोकलैंड मशीनों के जरिए बेतवा नदी में धड़ल्ले से खनन किया जा रहा है, जबकि प्रशासन लगातार अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का दावा कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मौरंग माफिया बेखौफ होकर नदी की धारा और पर्यावरणीय नियमों को नजरअंदाज करते हुए अवैध खनन में जुटे हुए हैं। रात के समय बिना किसी रोक-टोक के ओवरलोड वाहनों से मौरंग का परिवहन किया जाता है। आरोप यह भी है कि कई वाहन बिना कांटा कराए ही निकल जाते हैं, जिससे शासन को राजस्व का नुकसान पहुंच रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि एनजीटी के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। नदी के भीतर भारी मशीनों के इस्तेमाल से बेतवा का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित हो रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। सूत्रों की मानें तो परिवहन विभाग और खनिज विभाग की कथित मिलीभगत के चलते रात के अंधेरे में अवैध खनन और ओवरलोड वाहनों का संचालन लगातार जारी है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सुबह साढ़े आठ बजे जिला अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी, मरीजों के बीच जाना स्वास्थ्य सेवाओं का वास्तविक हाल

जनता के फीडबैक को बनाया मूल्यांकन का आधार, बेहतर एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाओं पर दिया विशेष बल

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार प्रातः लगभग 8:30 बजे जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। बिना पूर्व सूचना के अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी ने ओपीडी, इमरजेंसी, विभिन्न वार्डों तथा अस्पताल परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों एवं उनके तीमारदारों से सीधे संवाद स्थापित कर स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों से उनका हालचाल जाना तथा अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं, दवाओं, जांचों एवं चिकित्सकों की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से फीडबैक प्राप्त करते हुए कहा कि जनसामान्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिलाधिकारी ने अस्पताल में साफ-सफाई, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, पंजीकरण प्रक्रिया तथा मरीजों की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उपचार प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता का वास्तविक आकलन तभी संभव है जब सीधे मरीजों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझा जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर बेहतर बनाया जा रहा है और आमजन को सहज, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में1करोड़ों 62 लाख की लागत से बनी बृहद गौशाला अभी तक नहीं की गई संचालित

-शासन व प्रशासन की बड़ी लापरवाही के चलते विकास खण्ड के अधिकारी भी बैठे मौन

-लगभग 6-7 माह से निर्मित हो चुकी बृहद गौशाला ठेकेदार द्वारा नहीं कराई गई हैण्ड ओवर जिससे गोवंशों को नहीं मिल रहा आश्रय

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। विकासखंड कुठौंद के अंतर्गत ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में सरकार द्वारा1करोड 62लाखकी लागतलगाकर बृहद गौशाला का निर्माण कराया गया। जिसकी आज की ताज़ा पोजीशन मौके पर आए मीडिया कर्मी ने स्वयं ही इसको परखा और इस संबंध में प्रधान विनोद कुमार राठौर से भी संपर्क किया। जिसमें बताया गया कि आज लगभग 6-7माह से ठेकेदार लापता है। इस गौशाला की तरफ किसी भी उच्च अधिकारी ने आज तक मुड़कर नहीं देखा की गौशाला के बाद इसकी क्या पोजीशन है ।इसमें गौ वंशों का जीवन यापन हो रहा है या नहीं इसके संबंध में किसी भी प्रकार की संपूर्णता पूर्वक कोई देखरेख नहीं की जा रही है। न सड़क से गौशाला के लिए जाने का कोई रास्ता का सही प्रबंध नहीं किया गया और बम्बी होने के कारण वहां आवागमन पूर्ण रूप से बाधित है। इसलिए

पहले पुलिया का निर्माण कराया जाए और पक्का रोड बनवाया जाए। बरसात के समय गौशाला तक पहुंचना लोहे के चने चबाने के बराबर होगा। नव निर्मित गौशाला का निर्माण ठेकेदारों द्वारा बहुत ही घटिया किस्म से कराया गया है। इसका निर्माण मानक के अनुसार नहीं हुआ है । इसलिए ठेकेदार द्वारा गौवंश रखने लिए हैंड ओवर नहीं किया गया है। अधिक समय बीत जाने के पश्चात् मानक विहीन गौशाला के गुण दोष छिपाए जा सके ।क्योंकि मौके पर देखा गया कैटल शैट में टीन लगा हुआ जिसके ऊपर की मगरी अपने आप थोड़ी सी हवा में उछाल मारती नजर आ रही है। इसके अलावा गौशाला के चारों तरफ जो तार फेंसिंग की गई है। वह बहुत ही लचर और कमजोर लोहे की तार फेंसिंग की गई है। जिसमें गोवंश कभी भी बाहर निकाल सकते हैं ।और जंगल का एरिया होने के कारण जंगली जानवर कभी भी प्रवेश करने में कोताही नहीं बरतेंगे। यदि मेरे मनसा के अनुरुप बात को समझा जाए तो ठेकेदारों द्वारा इसमें लापरवाही क्यों की जा रही है इसको चालू करने में समय क्यों लिया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य है कि जितना समय हो जाएगा उसके बाद ठेकेदारों का एक ही प्रश्न होगा कि काफी समय हो गया है इसमें जो लागत लगाई गई है उसका दोष छिप सके लेकिन बरसात व तेज हवा के कारण तीन सेट हिल रहे हैं। नवनिर्मित गौशाला में ना तो हरा चारा काटने के लिए कोई व्यवस्था की गई है । ना ही कोई व्यवस्था बिजली की की गई है ।और यूरियन की भी व्यवस्था नहीं की गई है ।ना ही खाद के गड्ढे ना ही नाली बनाई गई है। चरई का तो यह हाल मौके पर दिखाई दे रहा है कि अभी भी मौके पर देखा जाए तो वह निर्माण की गई। चरही व भूसा घर का फर्स चटकने का रूप धारण कर चुका है। इसके अलावा साड़ तथा गौवंश व उनके बछड़े एक ही साथ रहेंगे। जबकि शासन द्वारा क्रमश: निर्माण की स्वीकृति दी गई थी जैसे की सांड की अलग रहने कीजगह, गाय की अलग रहने जगह है, गाय के बछड़े व बछिया की लिए अलग से व्यवस्था होनी आवश्यक थी। गौवंशों के भरण पोषण के लिए इस समय पर्याप्त भूसा उपलब्ध करवाने के लिए प्रधान द्वारा व्यवस्था की जा रही है। लेकिन अस्थाई गौशाला पर उसे रखना पड़ रहा है। क्योंकि नवनिर्मित गौशाला में वर्तमान में ताला लगा हुआ है। यदि नवनिर्मित गौशाला काभूसा घर उपयोग में ले लिया जाता तो डबल खर्चे को बचा जा सकता था।

इसलिए ग्राम प्रधान द्वारा शासन व प्रशासन एवं विकास खण्ड अधिकारी से मांग की जा रही है कि इस नवनिर्मित वृहद गौशाला को संचालित करने की प्रक्रिया को जल्द से जल्द किया जाए ताकि बरसात आने से पहले गोवंश सुरक्षित स्थान पर रह सके। गौशाला में जो व्यवस्था अधूरी पड़ी है उसे मुहिया कराए जाने की मुहिम अमल में लाएं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में आईं तीस शिकायतों में मात्र चार हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़ (जालौन)कमलेश कुमार गढ़िया ने विद्युत बिल अधिक आने की शिकायत दर्ज कराई है लालता प्रसाद सुरावली ने विपक्षी पर आरोप लगाया है कि वह हमें शांतिपूर्ण वातावरण में नाली के पास दीवार नहीं उठाने दे रहा है विपक्षी को मजाहमत पैदा करने से रोके जाने की पुरजोर गुहार लगाई है राजेंद्र सिंह जगम्मनपुर ने राजस्व विभाग पर कुरा दाखिल न करने का आरोप लगाया है जगतनारायण रामपुरा जागीर ने विद्युत बिल अधिक आने की शिकायत दर्ज कराई है संतराम शेखपुर अहीर ने गांव की रास्ता से अवैध कब्जा हटवाने की पुरजोर मांग की है गुड्डी देवी सूपा ने भी अधिक विद्युत आने की शिकायत दर्ज कराई है जयराम सिंह तोरना ने खलिहान की जगह पर अवैध कब्जा हटवाने और नाप करवाकर जगह सुरक्षित और संरक्षित कराने की मांग उठाई है हरिश्चंद्र जगम्मनपुर ने विपक्षी पर आरोप जड़ा है कि वह हमारी जगह पर जबरन कब्जा करने की फिराक में है समस्या का समाधान कराया जाए प्रभा देवी पिचौरा ने दबंगों के अवैध कब्जा हटवाने की पुरजोर मांग की है गिरीन्द्र गोहन ने मौजा केशोपुर की आराजी की पैमाइश कराने की गुहार लगाई है रूपनारायण छिरिया ने विपक्षियों पर आरोप लगाया है कि वह हमारी जमीन पर अवैध जबरन कब्जा कर रहे हैं अवैध कब्जा हटवाया जाए उदयवीर लगाम पुरा ने चकमार्ग की नाप कर सुरक्षित और संरक्षित कराने की मांग की है राम-लखन सूपा नुनायचा ने विद्युत बिल अधिक आने की शिकायत दर्ज कराई है मिथिला देवी और श्यामसुंदर सूपा नुनायचा ने विद्युत बिल अधिक आने की शिकायत दर्ज कराई है कुल मिलाकर तीस शिकायतें दर्ज कराई गई है जिनमें चार का निस्तारण हो गया इस मौके पर प्रभारी तहसीलदार भुवनेन्द्र कुमार नायब तहसीलदार सादुल्लाह खांन खंड शिक्षा अधिकारी मुक्तेश कुमार गुप्ता एआरओ राजेश कुमार सिंह एस आई संतोष सिंह महादेव सिंह समर सिंह राजेंद्र पांडेय राम खिलाडी प्रभारी खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार गौतम सहायक विकास अधिकारी माधौगढ़ रामपुरा भारत सिंह वन दरोगा अमित कुमार संदीप सिंह राजावत अध्यक्ष लेखपाल संघ कल्लू सिंह महामंत्री योगेन्द्र सिंह शिवम् शांडिल्य नबाब सिंह शशांक स्वर्णकार मंसूर खान समेत अन्य अधिकारियों की मौजूदगी रही है

एसडीएम की अध्यक्षता मे तहसील में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

दो दर्जन से अधिक आयी शिकायतो मे 6 का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कोच तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की उपस्थित मे समाधान दिवस का आयोजन किया गया ।समाधान दिवस में विभिन्न विभागो से संबंधित कु 28 प्रार्थनापत्र आए लेकिन मौके पर मात्र 6 शिकायतो का ही निस्तारण हो सका ।समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम ने उपस्थित सभी विभागो के अधिकारी एवं प्रतिनिधियो से दो टूक शब्दो में कहा कि आयी हुई शिकायतो का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करे ।उन्होने कहा शिकायतो के निस्तारण मे लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नही की जाएगी ।इस मौके पर प्रभारी तहसीलदार जितेंद्र सिंह, ईओ नगर पालिका मोनिका उमराव, एबीएसए शैलेंद्र कुमार, सुरजीत सिंह, मंडी निरीक्षण राहुल अनुरागी,दीपक चौहान,जेई विधुत अमन खान, लेखपाल दिग्विजय सिंह, देवी शरण सोनी आदि उपस्थित रहे।

बिहार मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

- भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन ने निष्पक्ष जांच एवं परिजनों की सुरक्षा की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला प्रभारी संजीव कुमार दीक्षित एडवोकेट के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों ने बिहार में पुलिस मुठभेड़ के दौरान भरत तिवारी की हुई मौत के मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग को लेकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए जिला प्रभारी संजीव कुमार दीक्षित एडवोकेट ने कहा कि बिहार राज्य में भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत का मामला अत्यंत गंभीर है। उन्होंने आरोप लगाया कि भरत तिवारी द्वारा आत्मसमर्पण किए जाने के बाद भी उनकी मृत्यु हो जाना कई गंभीर सवाल खड़े करता है, जिसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी आवश्यक है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और न्याय सुनिश्चित हो सके ।ज्ञापन में मांग की गई कि इस पूरे प्रकरण की किसी स्वतंत्र एजेंसी अथवा उच्चस्तरीय समिति से जांच कराई जाए। साथ ही मृतक के परिजनों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए तथा दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए ।इस अवसर पर निकहत परवीन, रितिक दुबे एडवोकेट, नेहा निरंजन सहित भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। संगठन ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय की स्थापना के लिए वह लगातार आवाज उठाता रहेगा।

मिशन लाइफ अभियान के तहत पुलिस ने चलाया स्वच्छता एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया

(यंग भारत न्यूज)

उरई। पर्यावरण संरक्षण तथा जनसामान्य को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से संचालित 'मिशन लाइफ (Lifestyle for Environment)' अभियान के अंतर्गत जनपद जालौन पुलिस द्वारा व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पुलिस अधीक्षक जालौन एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस लाइन्स उरई सहित जनपद के समस्त कोतवाली एवं थाना परिसरों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। इस दौरान परिसर में फैले कूड़े-कचरे को हटाया गया तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए थाना एवं कार्यालय परिसरों में वृक्षारोपण भी किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है तथा अधिक से अधिक पौधे लगाकर और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाकर पृथ्वी को सुरक्षित बनाया जा सकता है। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों ने आमजन से भी स्वच्छता बनाए रखने, जल एवं ऊर्जा संरक्षण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए अधिकारियों को दिए गए निर्देश

पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। सहायक महानिरीक्षक निबंधन अजय कुमार ने जनपद में ई-पंजीकरण व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि महानिदेशक निबंधन, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में ई-पंजीकरण प्रणाली की जानकारी जनसामान्य, अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों तथा अन्य हितधारकों तक व्यापक रूप से पहुंचाई जाए, जिससे नागरिकों को पंजीकरण संबंधी सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकरण प्रक्रिया को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए अधिक सुविधाजनक एवं नागरिक हितैषी बनाया जा रहा है। ई-पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत अधिकृत संस्थाओं के माध्यम से दस्तावेजों के पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी तथा सेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने निर्देश दिए कि तहसील एवं उप-निबंधक कार्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए ई-पंजीकरण व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आवश्यक प्रचार सामग्री का वितरण भी किया जाए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस व्यवस्था का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि ई-पंजीकरण प्रक्रिया में दस्तावेजों का अनुमोदन, शुल्क भुगतान, पहचान सत्यापन, डिजिटल हस्ताक्षर एवं अन्य आवश्यक औपचारिकताएं ऑनलाइन माध्यम से संपादित की जाएंगी। इससे पंजीकरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुरक्षित एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप ई-पंजीकरण व्यवस्था का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए ।सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने कहा कि डिजिटल तकनीक आधारित यह व्यवस्था नागरिक सेवाओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे सुशासन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

रेलवे स्टेशन पार्क में योगाभ्यास, स्वस्थ रहने का दिया संदेश

ब्रह्माकुमारी संस्थान के कार्यक्रम में 100 लोगों ने किया योग, नियमित अभ्यास का लिया संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को रेलवे स्टेशन पार्क में योग अभ्यास एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 100 लोगों ने भाग लेकर विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया तथा नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

योग शिक्षक मुन्ना लाल सोनी ने कहा कि अनियमित दिनचर्या और तनावपूर्ण जीवनशैली के कारण मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा, कमर दर्द और जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन योग और प्राणायाम करने से इन बीमारियों से काफी हद तक बचाव संभव है। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास भी कराया। संस्थान की संचालिका ब्रह्माकुमारी वी के मीना दीदी ने कहा कि योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम है। उन्होंने लोगों से योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। कार्यक्रम में बहिन सरिता दीदी ने म्यूजिकल एक्सरसाइज कराई। स्टेशन अधीक्षक कौशिक और पूर्व स्टेशन अधीक्षक एस.के. खरे ने कहा कि योग शरीर की प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और स्वस्थ जीवन जीने में सहायक है। उन्होंने सभी से नियमित योग करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारी संस्थान के बृजभान भाई ने बताया कि योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भीषण गर्मी में समाजसेवियों ने पेश की मिसाल, राहगीरों को पिलाया शीतल पेय

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। भीषण गर्मी और तेज धूप से बेहाल लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से शहर के मोहल्ला बघौरा पुलिस लाइन के सामने समाजसेवियों ने शीतल पेय वितरण शिविर का आयोजन किया। दोपहर के समय बड़ी संख्या में राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के लोगों को शीतल पेय पिलाकर गर्मी से राहत दिलाई गई।

समाजसेवियों महेंद्र दिवाकर ने कहा कि लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए जरूरतमंद और राहगीरों की सेवा करना सामाजिक दायित्व है। उन्होंने लोगों से गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी पीने, धूप से बचने और जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की भी अपील की। शिविर के दौरान लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन में सेवा भावना और जनकल्याण का संदेश देखने को मिला। इस अवसर पर अनिल दिवाकर, अनूप कुमार, महेंद्र दिवाकर, प्रिंस कुमार, जितेंद्र कुमार, नरेंद्र कुमार (अध्यापक), मनीष कुमार (जेई), कामरान, अल्कैफ एवं आरिस सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

56वें जन्मदिन पर महेंद्र सिंह भाटिया ने किया 34वां रक्तदान, जरूरतमंद मरीज को मिला रक्त

मेडिकल कॉलेज में केक काटकर मनाया जन्मदिन, रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। शिक्षक नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी महेंद्र सिंह भाटिया ने अपना 56 वां जन्मदिन अनूठे अंदाज में मनाया। उन्होंने राजकीय मेडिकल कॉलेज में 34वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज को मानव सेवा का संदेश दिया। इसके बाद केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। महेंद्र सिंह भाटिया द्वारा दान किया गया रक्त मेडिकल कॉलेज में भर्ती वरिष्ठ लिपिक नितिन कुमार को चढ़ाया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जन्मदिन का सबसे बड़ा उत्सव किसी जरूरतमंद की जान बचाने का प्रयास है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील भी की। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के सीएमएस डॉ. प्रशांत निरंजन ने महेंद्र सिंह भाटिया के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और इससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है। कार्यक्रम में युद्धवीर सिंह कंथरिया, डॉ. नरेश वर्मा, नरेश कुमार निरंजन, राजेश शुक्ला, अमित गुप्ता, सौरभ गुप्ता, लक्ष्मण दास बाबानी, देवेंद्र सिंह पाल, महावीर तरसौलिया, डॉ. ममता स्वर्णकार, अलीम सर, संतोष प्रजापति, कपिल गुमाबली सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डीएम ने बिजली विभाग की विजिलेंस टीम को 4 किलो वाट तक कनेक्शन धारकों के यहां छापा न करने के दिए कड़े निर्देश

-डीएम ने कहा की विजिलेंस की टीम यदि उनसे बिना परमिशन लिए छापा मारने गई तो उनके

-खिलाफ एफ आई आर होगी

-गरीब और मध्यम वर्ग के कनेक्शन धारकों को बड़ी राहत

(यंग भारत न्यूज)

उरई जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे ने इस भीषण गर्मी में गरीब और मध्यम वर्ग के बिजली विभाग के कनेक्शन धारकों को बड़ी राहत दी हैद्य उन्होंने उनसे मिलने गए बिजली विभाग के विजिलेंस टीम के जय और सब इंस्पेक्टर को बड़ी ही नाराजगी भरे स्वर में डांटते हुए कहा कि क्या आप लोगों की बहुत शिकायतें मिल रही हैं की गरीब मध्यम वर्ग के कनेक्शन धारकों को आप छापे डालकर परेशान कर रहे हो द्य इसलिए आप लोग बिना मुझसे परमिशन लिए छापे के लिए नहीं जाएंगे और एक से लेकर 4 किलो वाट तक किसी भी कनेक्शन धारक के यहां आप छापा मारने नहीं जाएंगे और अगर जाएंगे बिना मेरी परमिशन के तो आप लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी थाने मेंद्य डीएम श्री पांडे ने उन्हें कहा कि विजिलेंस की टीम 4 किलो वाट से ऊपर के कनेक्शन धारकों के यहां मेरी परमिशन लेकर छापे मारने जा सकती है द्य डीएमके इस कड़े निर्देश से जालौन जिले के हजारों गरीब एक किलो वाट से लेकर 4 किलो वाट तक के मध्यम वर्ग के कनेक्शन धारकों को भारी राहत मिल गई है

दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जनरल सीट के लिए मर्डर: यात्री को पीट-पीटकर मार डाला, तमाशा देखते रहे आरपीएफ कर्मी

(यंग भारत न्यूज)

इस वक्त की बड़ी और सनसनी मचाने वाली खबर देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से आई है। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जनरल बोगी की सीट के लिए मर्डर की वारदात हुई है।

हत्याकांड को दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन पर अंजाम दिया गया है। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस में जनरल बोगी की सीट के लिए युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वहीं इस दौरान आरपीएफ कर्मी और लोग तमाशा देखते रहे। इतना ही नहीं प्लेटफॉर्म पर पड़ी लाश को भी काफी देर तक उठाने के लिए कोई नहीं आया। दिन-दहाड़े सैंकड़ों लोगों के सामने हत्या से सनसनी फैल गई।

यह पूरी घटना शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर सुबह करीब 6:00 बजे हुई। हरिद्वार जाने वाली योगा एक्सप्रेस जैसे ही आकर रुकी, जनरल डिब्बे में चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच भारी धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी पंकज धामा भी योगा एक्सप्रेस में चढ़ने

की कोशिश करने लगे। इसी दौरान पंकज धामा (मृतक) की सहयात्रियों के साथ विवाद हो गया। देखते ही देखते बोगी के गेट पर शुरू हुआ यह मामूली झगड़ा हिंसक झड़प में बदल गया। गुस्साए कुछ लोगों ने मिलकर पंकज धामा पर हमला कर दिया। इससे पंकज धामा प्लेटफॉर्म पर गिर गए। इसके बाद भी हमलावर नहीं रुके और लात-घूसों से पिटते रहे। इस दौरान वहीं खड़ी आरपीएफ कर्मी भी बीच-बचाव करने नहीं पहुंचे। काफी देर बाद आरपीएफ कर्मी ने आकर मामले को शांत करने की कोशिश की। हालांकि तबतक पंकज धामा की मौत हो चुकी थी। हमलावरों को वहां से भगाकर आरपीएफ कर्मी भी आगे बढ़ गे। हालांकि उन्होंने भी ये देखने की जहमयत नहीं उठाई कि यात्री कि स्थिति क्या है। पंकड धामा का शव काफी देर तक प्लेटफॉर्म पर यू ही पड़ा रहा। घटना की सूचना मिलते ही ओल्ड दिल्ली रेलवे पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची।

नई दिल्ली रेलवे के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि गंभीर हालत में पीड़ित पंकज धामा को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया (स्ल्ष्ट हृश. 1645/12/26)। मारपीट के दौरान पंकज के शरीर के अंदरूनी अंगों में गंभीर चोटें आने के कारण पंकज की मौत हुई है।

'जय श्री राम' के नारों से गूँजा बांग्लादेश, हिंदू संगठनों का ऐलान

-देश के सभी 64 जिलों में बनाएँगे राम मंदिर: इस्लामी कट्टरपंथियों ने भगवान के पोस्टर पर मारे थे जूते

(यंग भारत न्यूज)

ढाका में भगवान राम का अपमान किए जाने पर हिंदुओं ने मशाल जुलूस निकाला। सरकार को कट्टरपंथियों की गिरफ्तारी के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया। बांग्लादेश की राजधानी ढाका शुक्रवार (19 जून) को जय श्री राम के नारों से गूँज उठी। भगवान राम के अपमान के विरुद्ध सैकड़ों की संख्या में सड़क पर उतरकर हिंदुओं ने प्रदर्शन किया। मसाल जुलूस निकालते हुए इस्लामी कट्टरपंथियों पर कार्रवाई के लिए बांग्लादेश की सरकार को 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही कहा है कि देश के सभी 64 जिलों में एक-एक राम मंदिर का निर्माण किया जाएगा।

प्रदर्शनकारी ढाका के शाहबाग चौराहे पर इकट्ठा हुए थे। वहाँ उन्होंने बांग्लादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और न्याय की माँग की। हिंदुओं ने सरकार को दोषियों को पकड़ने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अगर तय समय में कार्रवाई नहीं हुई, तो वे रविवार (21 जून) को धार्मिक मामलों के मंत्रालय को ज्ञापन सौंपेंगे। मशाल जुलूस में शामिल हिंदुओं ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपित गिरफ्तार नहीं हुए, तो आंदोलन पूरे देश में फैलेगा। बांग्लादेश के सभी 64 जिलों में उग्र प्रदर्शन किए जाएँगे। शनिवार (20 जून) को 'बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद' ने भी देशव्यापी विरोध का ऐलान किया है।

हिंदुओं का कहना है कि वे हर जिले में भगवान राम का मंदिर बनाकर रहेंगे। शुक्रवार (19 जून) सुबह भी ढाका में अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए। हिंदू महाजोत के दो गुटों ने नेशनल प्रेस क्लब और ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी में कार्यक्रम किए। प्रेस क्लब के सामने एक बड़ा मानव बंधन बनाया गया। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री से मिलने और रैलियाँ निकालने की भी योजना बनाई है। उनकी माँग है कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रंगपुर डिवीजन के गाइबांधा जिले में भगवान राम का मंदिर और 81 फीट ऊँची प्रतिमा बनाई जा रही थी। कुछ कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों ने इस निर्माण को रुकवा दिया। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान भगवान राम की तस्वीर वाले बैनर पर चप्पलें मारी गईं। इसका Video वायरल हुआ। इस घटना से हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुँची है।

एमपी में एक आम की कीमत 3500... 3 किलो के आम को खरीदने के लिए राज्यों से एडवांस बुकिंग, सुरक्षा में तैनात 10 लट्ठधारी गार्ड

(यंग भारत न्यूज)

इंदौर। अपने असाधारण आकार और बेमिसाल स्वाद के लिए देश-विदेश में मशहूर 'नूरजहाँ' आम की मांग इस सीज़न में आसमान छू रही है। बाजार में इस आम ने एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जहां तीन किलोग्राम वजन का एक अकेला 'नूरजहाँ' आम 3500 रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर बिका है। आम की इस अनोखी खेप को खरीदने के लिए शौकीनों के बीच होड़ मची हुई है।

स्थानीय किसान शिवराज जादव और भारतसिंह जादव ने बताया कि मौसम और अन्य कारणों से इस बार बगीचों में नूरजहाँ का उत्पादन काफी सीमित हुआ है। पैदावार कम होने के बावजूद इसके दीवानों में कोई कमी नहीं आई है। मध्य प्रदेश के साथ-साथ

गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों के आम प्रेमियों ने फसल तैयार होने से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग करा ली थी। 'नूरजहाँ' आम जितना कीमती है, इसकी सुरक्षा भी उतनी ही कड़ाई से की जा रही है। बगीचे में पेड़ों पर लटके इन बेशकीमती फलों को चोरी और नुकसान से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। किसानों ने फसल की चौबीसों घंटे निगरानी के लिए 10 लट्ठधारी सुरक्षा गार्ड तैनात किए हैं, जो बगीचे की कड़ी रखवाली कर रहे हैं। इस आम का इतिहास भी बेहद दिलचस्प है। किसानों के अनुसार, मूल रूप से यह अफगानी नस्ल का आम है। वर्ष 1965 में इसकी कलम को गुजरात से लाया गया था। अलीराजपुर जिले के कट्ठीवाड़ा क्षेत्र की विशेष आबोहवा और वहां की मिट्टी में किसानों के कड़े परिश्रम और तालमेल ने इस नस्ल को पूरी तरह से ढाल दिया, जिसके बाद यह यहाँ की विशेषता बन गया। इस साल नूरजहाँ के पेड़ों पर डेढ़ किलो से लेकर तीन किलोग्राम तक के फल आए हैं। आकार और वजन के हिसाब से ही इनकी कीमत तय की गई है। जहां भारी-भरकम तीन किलो का फल 3500 तक बिका है, वहीं अपेक्षाकृत छोटे फलों की कीमत 1000 से 1500 रुपये के बीच रही है। किसान भारतसिंह जादव के मुताबिक, नूरजहाँ आम का यह पौधा अब सिर्फ एक फल नहीं, बल्कि पूरे आलीराजपुर जिले की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुका है। अपनी इसी खासियत, अनोखे आकार और लाजवाब स्वाद के कारण इस आम को वर्ष 1999 और वर्ष 2010 में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया जा चुका है।

यूपी में नासिर ने आनंद को तलवार से काटा. नई नहीं दलितों पर इस्लामी कट्टरपंथियों की बर्बरता

(यंग भारत न्यूज)

सपा पीडीए नैरेटिव पर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रही है लेकिन एनसीआरबी के आँकड़े कहते हैं कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश की सरकारों में दलितों पर अत्याचार के मामले अधिक थे।

उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर में गुरुवार को नासिर अली नामक शख्स ने बीच बाजार एक दलित युवक आनंद की तलवार से गला काटकर बेरहमी से हत्या कर दी। दलित-मुस्लिम एकता और भीम-मीम के नारे लगाने वालों को इस हत्या के बाद साँप सूँघ गया है। दलितों के नाम पर वोट माँगने वाले दल खामोश हैं क्योंकि मारने वाला मुस्लिम है। यह मामला इस्लामी कट्टरता के साथ-साथ यह भी दिखाता है कि दलितों के नाम पर की जाने वाली राजनीति किस हद तक सुविधाजनक हो गई है। जिस आनंद को सरे राह काटा गया उस बेचारे का 'कसूर' उस जिहादी की नजर में ये था कि आनंद ने अपनी भांजी के साथ छेड़छाड़ को लेकर नासिर को थप्पड़ जड़ दिया था। यह थप्पड़ नासिर को इतना नागवार गुजरा कि देर रात आनंद के बाजार से लौटते समय नासिर ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उन्हें घेर लिया और धारदार हथियार से गला रेत दिया। यह पूरा कत्लेआम इतनी भयावहता के साथ हुआ कि आनंद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जमकर दिया और नासिर के

गिरफ्तारी और एनकाउंटर की माँग पर अड़ गए। मामले के बाद संत कबीर नगर में एडीजी, डीआईजी, एसपी समेत पूरा पुलिस महकमा तैनात है और नासिर और उसके साथियों की तलाश की जा रही है। आनंद की हत्या कोई पहली घटना नहीं है। इस तरह की कई घटनाएँ बीते महीनों में सामने आ चुकी हैं जिसमें दलितों का उत्पीड़न और उनकी हत्या करने में आरोपित मुस्लिम रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स को मानें तो जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच में एससी/एसटी एक्ट के आँकड़ों में पता चला कि दलितों के उत्पीड़न पर मुस्लिमों के खिलाफ 1,983 मामले दर्ज हो चुके हैं। यह आँकड़े राज्य के सभी जिलों और जून से मिली पुलिस रिपोर्ट, स्न्द्धक्रऔर जाँच रिपोर्ट के आधार पर तैयार किए गए हैं। इन आँकड़ों के सामने आने के बाद से सियासी महकमे में हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी लगातार पीडीए नैरेटिव पर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रही है लेकिन एनसीआरबी के आँकड़े और रुझान कहते हैं कि मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव की सरकारों के दौरान दलितों पर अत्याचार के मामले काफी बढ़े थे। एनसीआरबी और अन्य रिपोर्ट्स के अनुसार, 2012 से 2017 के बीच में यूपी में दलितों पर अपराधों के 15000 से भी अधिक मामले दर्ज हुए। सपा सरकार में ही 2014 में बदायूं में दो दलित बहनों के साथ हुई बर्बरता ने पूरे देश को तो झकझोरा ही, पर यह भी बता दिया कि सपा राज में कानून व्यवस्था दलितों के लिए अराजक हो चुका है। 2012-13 में उत्तर प्रदेश में दलितों पर दर्ज अपराध की संख्या 2800 से 3000 के बीच रही। इसके बाद 2014-15 में ये संख्या 3200 से 3400 हो गई। इनमें बलात्कार, हत्या और सामाजिक बहिष्कार के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई। वहीं अखिलेश के आखिरी वर्षों 2016-17 में एनसीआरबी के रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश दलितों के अपराध के मामले में पहले नंबर पर रहा। इस वर्ष में उत्तर प्रदेश में दलितों पर दर्ज अपराधों की संख्या 3500 से 3700 तक पहुँच गई। कुल मिलाकर अखिलेश के कार्यकाल में 15130 मामले दर्ज हुए जो देश में सबसे अधिक थे। 1993 से 1995 और 2003 से 2007 के बीच रही मुलायम सिंह यादव की सरकार की बात की जाए तो दलितों पर अत्याचार की स्थिति ऐसी थी कि उन्हें विपक्षी मतदाता मानकर उनकी लगातार उपेक्षा की जाती थी, थानों में न्याय नहीं मिलता था और ग्रामीण क्षेत्रों में हिंसा हद से अधिक देखने को मिलती थी। आम जनता को तो छोड़ दीजिए,

2013 याद है न..' मौलाना के विवादित बयान पर भड़की जाट महासभा, दी बेहद डरावनी चेतावनी!

(यंग भारत न्यूज)

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत और सामाजिक ताने-बाने को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। प्रख्यात मुस्लिम विद्वान मौलाना खलील रहमान सज्जाद नोमानी द्वारा जाट समाज को लेकर दिए गए एक बयान ने नया बवंडर खड़ा कर दिया है।

एक कार्यक्रम के दौरान मौलाना ने दावा किया था कि पश्चिमी यूपी और हरियाणा के जाटों ने महापंचायत कर यह ऐलान किया है कि वे हिंदू नहीं हैं और वे जल्द ही सिख समुदाय को कबूल करेंगे। मौलाना के इस दावे के बाद जाट समाज और जाट महासभा में भारी आक्रोश फैल गया है। मुजफ्फरनगर से लेकर दिल्ली तक इस बयान की तीखी आलोचना हो रही है। मौलाना के इस बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद जाट महासभा के मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने बेहद कड़े शब्दों में मौलाना को चेतावनी दी है। बालियान ने कहा कि मौलाना का दिमाग खराब हो गया है और उन्हें किसी समाज के इतिहास की 'एबीसीडी' भी नहीं पता है। उन्होंने साफ लहजे में कहा, 'जाट

एक मार्शल कौम है, जिसे यदि एक बार छेड़ दिया जाए, तो पीछे रोकना मुश्किल होता है। मैं मौलाना को यही राय दूंगा कि वे अपने शब्द वापस लें और सार्वजनिक रूप से समाज से माफी मांगें। अगर कल को कोई अप्रिय हरकत हो गई या समाज का कोई व्यक्ति गुस्से में आ गया, तो वह ठीक नहीं होगा।' बालियान ने 2013 के दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ लोग फिर से माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। वहीं, इस पूरे मामले पर किसान नेता राकेश टिकैत ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। टिकैत ने कहा कि जाट समाज पूर्व में सिख, मुस्लिम और बिश्नोई संप्रदायों में जरूर कन्वर्ट हुआ है, लेकिन मूल रूप से सब हिंदू ही हैं। उन्होंने इस जनता को उलझाने वाला बयान करार देते हुए कहा कि यह पूरी तरह सरकार से प्रेरित है। टिकैत के अनुसार, 'इंसान का धर्म बदल सकता है, लेकिन उसकी जाति कभी नहीं बदलती। हमारा और सिख समाज का तालमेल हमेशा से बेहतर रहा है, और यह बयान केवल फूट डालने की एक कोशिश है।' टिकैत ने तंज कसते हुए कहा कि धर्म के ठेकेदारों को शहरों में बयानबाजी करने के बजाय छत्तीसगढ़ के जंगलों में जाना चाहिए, जहां आदिवासियों का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है। मुजफ्फरनगर और आस-पास के जिलों में इस बयान के बाद पैदा हुए तनाव को देखते हुए स्थानीय जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। पुलिस के साइबर सेल को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और उस पर आने वाले भड़काऊ कमेंट्स की चौबीसों घंटे निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, जिले में कानून-व्यवस्था और आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन जल्द ही दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ एक 'शांति समिति' की आपात बैठक बुलाने की तैयारी कर रहा है, ताकि किसी भी तरह की अफवाह को फैलने से रोका जा सके।

लाश नहीं तो केस नहीं... सोचने वाले दो हत्यारों को अदालत ने दिया मृत्युदंड

(यंग भारत न्यूज)

मुजफ्फरनगर। 'नो बॉडी नो केस' यानी लाश नहीं तो वाद नहीं... शायद यही सोचकर पत्नी से अवैध संबंध के कारण राजेंद्र सैनी की गला घोंटकर हत्या व शव जलाने के दो दोषियों को न्यायालय ने फांसी की सजा सुनाई है।वीरसैनी की पत्नी से राजेंद्र के अवैध संबंध थे। न्यायालय ने कहा कि दोषियों ने सोचा होगा कि शव जलाने से पहचान छिप जाएगी और मामला पुलिस के लिए सुलझाने में मुश्किल होगी, लेकिन सच तो सच होता है, वह छिपता नहीं। डीएनए रिपोर्ट और विधि विज्ञान प्रयोगशाला ने सत्यता सामने ला दी। हत्या के पीछे गहरी व्यक्तिगत दुश्मनी में बदला लेने की प्रवृत्ति रही। दोषियों ने अपनी घृणा जाहिर करने के लिए शव को जलाकर विकृत किया था। ऐसे में कोमल न्याय करने से समाज में गलत संदेश जाएगा, जिसके चलते मृत्युदंड जैसी सजा से अपराधियों में कानून का खौफ बनेगा। न्यायालय ने हत्या को विरल से विरलतम श्रेणी का माना। थाना ककरौली के गांव ककरौली निवासी 35 वर्षीय राजेंद्र सैनी पुत्र सुखबीर सैनी के अपने गांव निवासी वीरसैन पुत्र गांधी कुम्हार की पत्नी उषा के साथ अवैध संबंध थे। मामले को लेकर वीरसैन और राजेंद्र के बीच कई बार झगड़ा हुआ था। चार जून 2018 को वीरसैन अपने दोस्त गजेंद्र उर्फ गीलू पुत्र विजयपाल जाट तथा रामकिरण उर्फ सावन गिरी पुत्र हरिचंद निवासी मोहम्मदपुर, बहसूमा, मेरठ के साथ राजेंद्र सैनी को बाइक पर बैठाकर ले गया था। पांच जून 2018 को उसका अधजला शव मीरापुर के गांव खेड़ी सराय में महावीर जाट पुत्र जहारिया निवासी मोहम्मदपुर, बहसूमा के खेत में पड़ा मिला था। शव की शिनाख्त उसके भाई जयविंद्र और अंकुश ने की थी। खेत में बैठकर पहले चारों ने शराब पी। उसके बाद राजेंद्र को नशा होने पर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए शव को जला दिया था। मीरापुर पुलिस ने विवेचना के बाद आरोप-पत्र दाखिल किया। मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट-3 के न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर के न्यायालय में हुई। इसमें अभियोजन पक्ष से एडीजीसी कमल कुमार व कुलदीप कुमार ने पैरवी की। साक्ष्यों के अलावा आठ गवाह पेश किए गए।

चांदी पिघलाकर बंगाल भेज दी..' राम मंदिर दान विवाद में आया नया मोड़, एसआईटी के सामने खुला ये राज

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अयोध्या में स्थित भव्य राम मंदिर में दान में दी गई कीमती वस्तुओं के कथित रूप से गायब होने का मामला अब बेहद गरमा गया है। इस पूरे मामले की कमान विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने संभाल ली है और जांच का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। एसआईटी अब उन सभी श्रद्धालुओं और बड़े दानदाताओं से सीधे संपर्क कर रही है, जिन्होंने मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारियों को आभूषण, चांदी और अन्य बेशकीमती सामान सौंपे थे।

जांच टीम का मुख्य मकसद यह पता लगाना है कि ये सारे दान कब दिए गए, ट्रस्ट की तरफ से इन्हें किसने रिसीव किया और क्या इन कीमती सामानों के बदले दानदाताओं को कोई आधिकारिक रसीद जारी की गई थी या नहीं। 18 जून को एसआईटी ने इस सिलसिले में मुंबई के एक बड़े कारोबारी अनिल विश्वकर्मा का बयान दर्ज किया है। विश्वकर्मा का दावा है कि उनके परिवार ने रामलला को 3 किलो चांदी की माला और 1 किलो चांदी की चरण पादुका अर्पित की थी, लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि उन्हें आज तक मंदिर प्रशासन की तरफ से कोई रसीद नहीं मिली। वहीं दूसरी तरफ, इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि व्यापारियों की ओर से दान की गई करीब 60 किलो चांदी का भी अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। इस पूरे मामले की अंदरूनी कहानी बताते हुए महंत आचार्य विनोद मिश्रा ने कहा कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले और मौजूदा समय में मुंबई में बिजनेस करने वाले अनिल विश्वकर्मा ने रामलला को चांदी की खास माला और चरण पादुका चढ़ाने की मन्नत मांगी थी। महंत के मुताबिक, बेहद खूबसूरत और बारीक कारीगरी से तैयार की गई इस चांदी की माला का वजन लगभग 3 किलोग्राम था। इसके साथ ही, 64 शुभ प्रतीकों से सजी चांदी की चरण पादुका का वजन भी करीब 1 किलोग्राम था।

महंत ने बताया कि विश्वकर्मा परिवार के दिल में रामलला के प्रति अटूट आस्था थी। परिवार के छोटे बच्चों और महिलाओं समेत पूरा ग्रुप करीब 200 किलोमीटर की दूरी नंगे पैर पैदल तय करके 29 अक्टूबर 2025 को अयोध्या पहुंचा था। उनके आश्रम में पूरी विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद, यह भक्त परिवार इन पवित्र वस्तुओं को अपने सिर पर रखकर बड़े ही चाव से राम मंदिर लेकर गया था। महंत विनोद मिश्रा के दावों के मुताबिक, जब परिवार मंदिर के एंट्री गेट पर पहुंचा, तो वहां उनकी मुलाकात रामशंकर उर्फ टिन्नू यादव नाम के शख्स से हुई। टिन्नू यादव ने परिवार को वीआईपी रास्ते से होते हुए सीधे गर्भगृह तक पहुंचाया। वहां पहुंचकर पूरे आदर के साथ चांदी की माला और चरण पादुका को रामलला के सामने रख दिया गया। इसके तुरंत बाद टिन्नू यादव ने उन सभी कीमती वस्तुओं को अपने कब्जे में ले लिया। महंत का सीधा आरोप है कि जब बाद में श्रद्धालु परिवार ने अपने दान की तस्वीरें और ट्रस्ट की आधिकारिक रसीद मांगी, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि पहले बैंक के बड़े अधिकारी इसकी शुद्धता की जांच करेंगे, उसके बाद ही आगे की कागजी प्रक्रिया पूरी होगी। महंत विनोद मिश्रा ने आगे बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि न तो रामलला को वह चांदी की माला पहनाई गई और न ही परिवार को इस बारे में कोई सही जानकारी दी गई। परिवार ने रसीद के लिए कई बार चक्कर काटे और मिन्नतें कीं, लेकिन उन्हें रसीद नहीं दी गई। महंत का दावा है कि बाद में टिन्नू यादव ने उन्हें बताया कि चांदी की माला और चरण पादुका को पश्चिम बंगाल भेज दिया गया है, ताकि उन्हें पिघलाकर चांदी की ईंटों में बदला जा सके। कहा गया कि इन ईंटों का इस्तेमाल मंदिर की रोज की पूजा-पाठ के लिए जरूरी बर्तन बनाने में होगा। इस बात को सुनकर श्रद्धा भाव से आए भक्त परिवार का दिल पूरी तरह टूट गया। इस मामले में केवल विश्वकर्मा परिवार ही नहीं, बल्कि देश के बड़े सर्राफा कारोबारी भी सामने आ गए हैं। अनुराग रस्तोगी ने पूरी डिटेल देते हुए बताया कि देशभर के सर्राफा व्यापारियों ने मिलकर राम मंदिर के निर्माण के लिए लगभग 60 किलो चांदी दान की थी। इस चांदी को बकायदा पिघलाकर 1 से 1.25 किलो वजन की सुंदर ईंटें बनाई गई थीं, जिन पर सभी दानदाताओं के नाम और उनके गोत्र भी साफ-साफ लिखे गए थे। इसके अलावा ऋषिकेश की एक बड़ी धार्मिक संस्था ने भी 1 किलो का चांदी का कलश दान में दिया था।

मैक्सिको नॉकआउट में जाने वाली पहली टीम

साउथ कोरिया को हराया

मैक्सिको के फैंस ने खचाखच भरे स्टेडियम में टीम के सपोर्ट में लगाए नारे

ग्वाडालाजारा

लुइस रोमो ने दक्षिण कोरिया की रक्षात्मक चूक का फायदा उठाते हुए गोल दागा, जिससे सह मेजबान मैक्सिको 1-0 से जीत हासिल करके मौजूदा विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मैच जब गोलरहित बराबरी पर चल रहा था तब खेल के 58वें मिनट में दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम सेउंग-ग्यु और डिफेंडर ली गी-ह्युक के बीच टक्कर होने से गेंद पेनल्टी एरिया के अंदर छूट गई। रोमो के पास यह सुनहरा मौका था और उन्होंने गेंद को आसानी से खाली नेट में डालकर गोल कर दिया, जो बाद में निर्णायक साबित हुआ। यह उस टीम के लिए एक बड़ी जीत है, जो 2022 में ग्रुप चरण में जीत हासिल करने में नाकाम रही थी और अब उसने घरेलू मैदान पर उत्साहित दर्शकों के सामने दो बार जीत हासिल की है।

दर्शकों ने खचाखच भरे स्टेडियम में जयकारे लगाए

मैक्सिको के खिलाड़ियों ने मैदान पर जश्न मनाया जबकि दर्शकों ने एस्टाडियो एक्रोन के खचाखच भरे स्टेडियम में जयकारे लगाए और गीत गाए। खिलाड़ियों ने प्रशंसकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। दक्षिण कोरिया ने 87वें मिनट में लगभग बराबरी कर ली थी लेकिन मैक्सिको के गोलकीपर राउल रेंगल ने दो शानदार बचाव करके खतरे को टाल दिया था। उन्होंने पहले चो ग्वे-सुंग के करीब से किए गए हेडर को रोका और फिर रिबाउंड पर यांग ह्यून-जुन के प्रयास को और भी बेहतर तरीके से नाकाम किया।

मंजांबी ने लगाया वॉली शाट, दागा पहला गोल

स्विट्जरलैंड ने बोस्निया हर्जेगोविना को हराया

इंगलवुड। स्थानापन्न खिलाड़ी योहान मंजांबी के दो गोल की मदद से स्विट्जरलैंड ने विश्व कप फुटबॉल की ग्रुप बी के मैच में बोस्निया-हर्जेगोविना पर 4-1 से जीत शनिवार जीत हासिल की। मंजांबी ने मैदान पर उतरने के तीन मिनट बाद ही मैच के 74वें मिनट में एक शानदार वॉली शॉट लगाकर विश्व कप में अपना पहला गोल किया। यह स्विट्जरलैंड का मैच में पहला गोल भी था। इसके बाद उसने गोल की झड़ी लगाकर ग्रुप बी में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बोस्निया के टैरिक मुहारेमोविक को खतरनाक टैकल के लिए लाल कार्ड दिखाए जाने के कारण उनकी टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, जिसका स्विट्जरलैंड ने पूरा फायदा उठाया। रुबेन वर्गास ने इसके कुछ देर बाद 84वें मिनट में स्विस टीम के लिए दूसरा गोल किया। मंजांबी ने वर्गास के पास पर 90वें मिनट में फिर से गोल किया, जबकि कप्तान ग्रैनिट जाका ने इंजरी टाइम के सातवें मिनट में पेनल्टी पर से गोल दागकर अपनी टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस बीच एर्मिन महमिच ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बोस्निया के लिए गोल किया।

डेविड ने लगाई हैट्रिक कनाडा की पहली जीत

कतर को 6-0 से दी करारी शिकस्त

वैंकूवर। जोनाथन डेविड ने दर्शकों के अपार समर्थन के बीच हैट्रिक लगाई, जिससे कनाडा ने कतर को 6-0 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल के इतिहास में अपनी पहली जीत दर्ज की और नॉकआउट राउंड में अपनी जगह लगभग सुनिश्चित कर ली। कतर के दो खिलाड़ियों को लाल कार्ड मिले, जिससे उसकी टीम 9 खिलाड़ियों तक सिमट गई। कनाडा की टीम ने इसका पूरा फायदा उठाया। होमन अहमद को पहले हाफ (33वें मिनट) में ही ताजोन बुकानन पर फाउल करने के लिए मैदान से बाहर भेज दिया गया था। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में ही असीम मदीबो (51वें मिनट) को इस्माइल कोने पर फाउल करने के कारण लाल कार्ड दिखाया गया। उन्होंने कोने के बाएं पैर के निचले हिस्से में चोट पहुंचाई थी जिससे कनाडा के खिलाड़ी को मैदान से बाहर ले जाया गया।

मोकोएना ने पेनल्टी को गोल में बदला

द.अफ्रीका ने चेक गणराज्य के खिलाफ खेला ड्रॉ

अटलांटा। तेबोहो मोकोएना ने आखिरी क्षणों में पेनल्टी को गोल में बदलकर न सिर्फ दक्षिण अफ्रीका को हार से बचाया बल्कि चेक गणराज्य के खिलाफ मैच 1-1 से ड्रॉ कराकर विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ए में उसे एक महत्वपूर्ण अंक भी दिलाया। मोकोएना ने मैच की आंखों में आंसू लिए खेल शुरू किया और चेहरे पर मुस्कान के साथ खेल समाप्त किया। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में छठे मिनट में मिखाल सैडिलेक ने चेक गणराज्य को बढ़त दिलाई। अलेक्जेंडर सोजका ने सैडिलेक को पास दिया और उन्होंने गोलकीपर रोनवेन विलियम्स को चकमा देते हुए गोल दाग दिया। चेक गणराज्य जब जीत की तरफ बढ़ रहा था तब थापेलो मरोको का लंबी दूरी का शॉट पेनल्टी एरिया में चेक प्रतिद्वंद्वी पावेल सुल्क के हाथ को स्पर्श कर गया। मैच से पहले राष्ट्रगान के दौरान आंसू बहाते हुए दिखाई देने वाले मोकोएना ने 90वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट पर कदम रखा और चेक गणराज्य के गोलकीपर मातेज कोवार के पास निचले हिस्से में शॉट मारकर गोल कर दिया।

खबर संक्षेप

इनियन ने जीता ग्लोबल चेस फेस्टिवल का खिताब

मुंबई। ग्रैंडमास्टर इनियन पा ने अपनी शीर्ष रैंकिंग के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए शुरू से लेकर अंत तक दबदबा बनाकर ग्लोबल चेस फेस्टिवल का खिताब जीत लिया। चौबीस साल के राष्ट्रीय चैंपियन इनियन ने अंतिम दौर में अजय संतोष पर्वतरेड्डी के साथ ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट में पदार्पण करते हुए खिताब जीता। उन्हें 8 लाख रुपए की इनामी राशि मिली। इनियन ने प्रतियोगिता में अजेय रहते हुए 7.5 अंक के साथ खिताब जीता। बोरिस सावचेंको ने अंतिम दौर में आकाश शरदचंद्र दाल्वी के साथ ड्रॉ खेलकर 6.5 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। नितिन बाबू ने चैलेंजर वर्ग जबकि माधवेंद्र प्रताप शर्मा ने जूनियर मास्टर्स वर्ग का खिताब जीता।

'स्पार्क' ने किया ईस्पोर्ट्स विश्व कप के लिए क्वालीफाई

मुंबई। भारत के टैक्केनिया खिलाड़ी कुणाल उप्रेती (स्पार्क के नाम से मशहूर) ने एशिया और ओसनिया क्वालीफायर के जरिए जगह बनाकर ईस्पोर्ट्स विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया, जिससे वह इस रेसिंग खिताब में देश के अकेले प्रतिनिधि हैं। ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 19 से 22 अगस्त तक होगा, जिसमें दुनिया के 32 शीर्ष खिलाड़ी 500,000 अमेरिकी डॉलर (4.7 करोड़ रुपए) की कुल पुरस्कार राशि के लिए मुकाबला करेंगे। स्पार्क भारतीय ईस्पोर्ट्स संस्थान एसएनयूएल के उन तीन टैक्केनिया खिलाड़ियों में से एक है, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले चरण के लिए जगह बनाई है।

आज दोपहर 1.30 बजे से अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरा वनडे

'सुपर सैटरडे': क्लीन स्वीप पर भारत की नजर

चेन्नई

पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी, जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले, जो आखिरी वनडे खेला था उसमें उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है।

राहुल का 5वें नंबर पर प्रदर्शन अच्छा

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है।

राणा खेलेंगे तीसरा वनडे

तेज गेंदबाज हर्षित राणा को घुटने की चोट से उबरने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने यह घोषणा की। राणा टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके दाहिने घुटने के नीचे की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और जिसके बाद फरवरी में उनकी सर्जरी हुई थी। वह इस कारण टी20 विश्व कप और इंडियन प्रीमियर लीग में नहीं खेल पाए थे। राणा शनिवार को होने वाले श्रृंखला के अंतिम मैच से पहले टीम के साथ जुड़ गए हैं।

श्रेयांका विश्व कप से बाहर, प्रेमा को मौका

लीड्स

ऑफ स्पिनर श्रेयांका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर हो गई हैं और उनकी जगह लेग स्पिनर प्रेमा रावत को टीम में शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

23 वर्षीय पाटिल बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ भारत की 95 रन की जीत के दौरान चोटिल हो गई थी। यह घटना पावरप्ले के आखिरी ओवर में हुई जब पाटिल को गेंद को रोकने की कोशिश में चोट लग गई। इससे उनके टखने में मोच आ गई।

रावत पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल

24 वर्षीय रावत को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। वह महिला प्रीमियर लीग के दो सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह मैच खेल चुकी हैं। रावत उस भारत ए टीम का हिस्सा थी, जिसे इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार को नॉर्थम्प्टन में पहले टी20 मैच के साथ शुरू होने वाली छह मैचों की श्रृंखला खेलनी है। उन्होंने राइजिंग स्टार्स महिला एशिया कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 4.27 की इकॉनमी रेट से आठ विकेट लिए थे और भारत ए ने खिताब जीता था।

महिला टी20 विश्व कप: वेस्टइंडीज का विजय अभियान जारी, स्कॉटलैंड को हराया

लीड्स। वेस्टइंडीज ने स्कॉटलैंड को 7 रन से हराकर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपना विजय अभियान जारी रखा। स्कॉटलैंड को जीत के लिए 154 रन की दरकार थी और टीम ने 18 ओवर में 5 विकेट पर 132 रन बना लिए थे। तेज गेंदबाज आलिया एलीन ने इसके बाद मैच का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया। उन्होंने 19वें ओवर में डार्सी कार्टर (39) सहित 3 विकेट चटकाए। स्कॉटलैंड को अंतिम ओवर में 17 रन की जरूरत थी लेकिन टीम अंतिम गेंद पर 146 रन पर सिमट गई। ग्रुप दो में अब तक वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने ही अपने दोनों मैच जीते हैं। ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। स्कॉटलैंड ने दोनों पारियों में वेस्टइंडीज को मुश्किल में डाला। टीम ने पहले अपनी अनुशासित गेंदबाजी और अच्छे क्षेत्ररक्षण से 18 ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 6 विकेट पर 124 रन कर दिया। अनुभवी स्टेफनी टेलर ने हालांकि टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचा दिया। स्टेफनी ने 13 गेंद में नाबाद 47 रन की पारी खेली और 34 रन बाउंड्री से बनाए, जिससे वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 153 रन बनाने में सफल रही।

मकाऊ ओपन

सेमीफाइनल में अश्मिता किम को 37 मिनट में हराया

मकाऊ

भारतीय शटलर अश्मिता चालिहा ने चोट से उबरने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया की किम मिन सन को सीधे गेम में हराकर मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। असम की 26 वर्षीय खिलाड़ी अश्मिता ने विश्व की 99वें नंबर की खिलाड़ी किम को 37 मिनट में 21-16, 21-18 से हराया। चोटिल होने के कारण वह तीन महीने तक खेल से बाहर रही थी और उन्होंने मई में वापसी की थी। वहीं अनमोल खरब क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई।

अश्मिता का अगला मुकाबला यून से

इस साल बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिता में यह अश्मिता का पहला सेमीफाइनल होगा। वापसी के बाद से उन्होंने चाइना मास्टर्स सुपर 100 और मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 प्रतियोगिताओं में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। विश्व की 63वें नंबर की खिलाड़ी अश्मिता फाइनल में जगह बनाने के लिए कोरिया की पार्क गा यून का सामना करेंगी।

अश्मिता और किम के बीच कांटे का मुकाबला

पहले गेम में अश्मिता और किम के बीच कांटे का मुकाबला हुआ और एक समय स्कोर 14-14 से बराबर था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार चार अंक हासिल किए और फिर यह गेम अपने नाम कर लिया। अश्मिता दूसरे गेम में अपेक्षित शुरुआत नहीं कर पाई और किम ने 8-2 की बढ़त बना ली। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि वापसी का शानदार नमूना पेश किया और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार पांच अंक जीतकर अंतिम चार में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

विश्व चैंपियन को हराकर पदक किया पक्का

विश्व मुक्केबाजी कप : रोहतक की मीनाक्षी ने चीन में गाड़ा झंडा

रोहतक

चीन में आयोजित हो रहे विश्व बॉक्सिंग कप में भारत की बॉक्सर मीनाक्षी हुड्डा ने पदक पक्का कर लिया है। 51 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही मुक्केबाज मीनाक्षी हुड्डा ने रिंग में अपना दबदबा कायम रखते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। मीनाक्षी 48 किलोग्राम में दुनिया की नंबर एक की बॉक्सर है। इस प्रतियोगिता में 51 किलोग्राम में भाग ले रही है। ओलंपिक में 48 किलोग्राम भारवर्ग होने की वजह से मीनाक्षी को भारवर्ग बदलना पड़ा। पुरुषों की प्रतियोगिता में दीपक (70 किलोग्राम) ने अजरबैजान के वगीफ हस्नालीयेव को 5-0 से हराया, जबकि विश्विल (55 किलोग्राम) ने भी अजरबैजान के अर्मेन नसायदजादा के खिलाफ शानदार 5-0 की जीत के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। 57 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रही प्राची ने पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चीन की ताइपे की लिन यी यू को 4-1 के फैसले से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके अलावा ज्योति (48 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) पहले ही सेमीफाइनल में पहुंचकर भारत के लिए दो पदक पक्के कर चुके हैं। हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मीनाक्षी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दुनिया की नंबर दो बॉक्सर को हराया है। कोच विजय हुड्डा ने भी विजेता खिलाड़ी का हौसला बढ़ाया। मीनाक्षी का सेमीफाइनल मैच शनिवार को होगा।

लड़की से वैश्विक मंच तक का सफर

रोहतक जिले के रुड़की गांव की रहने वाली मीनाक्षी हुड्डा की इस कामयाबी से न सिर्फ उनके पैतृक गांव, बल्कि पूरे हरियाणा और देश में जश्न का माहौल है। हरियाणा की मिट्टी पहले भी देश को कई महान मुक्केबाज और पहलवान दे चुकी है, और अब मीनाक्षी उसी विरासत को वैश्विक पटल पर एक नए मुकाम पर ले जा रही हैं। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद अब मीनाक्षी हुड्डा की नजरें पदक का रंग बदलने यानी स्वर्ण पदक पर टिकी हुई हैं।

विश्व चैंपियन और नंबर-2 बॉक्सर को चटाई धूल

क्वार्टर फाइनल का यह मुकाबला किसी महामुकाबले से कम नहीं था। मीनाक्षी के सामने दुनिया की नंबर-2 मुक्केबाज, दो बार की विश्व चैंपियन और तीन बार की एशियाई चैंपियन कजाकिस्तान की दिग्गज खिलाड़ी अजुआ बाल्कीबेकोवा की चुनौती थी। अजुआ को महिला बॉक्सिंग की सबसे चतुर और अनुभवी मुक्केबाजों में गिना जाता है। लेकिन, रोहतक की इस धाकड़ बेटी ने अपने आक्रामक खेल, शानदार फुटवर्क और सटीक पंचों के दम पर अजुआ को चारों खाने चित कर दिया।

अब शादीशुदा और बच्चों का बाप है रैंचो : हिरानी

मुंबई। करीब 17 साल बाद '3 इडियट्स'के सीक्वल पर आधिकारिक काम शुरू हो चुका है। खुद राजकुमार हिरानी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर खुलकर बात की है। आमिर खान भी कहानी सुन चुके हैं और ओरिजिनल स्टार कास्ट के वापस आने की उम्मीद है। राजकुमार हिरानी ने एक बातचीत में बताया कि वह अपने लंबे समय के राइटिंग पार्टनर अभिजात जोशी के साथ मिलकर सीक्वल की कहानी और स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काफी काम बाकी है। हिरानी के मुताबिक, इस बार कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां से पहली फिल्म खत्म हुई थी, लेकिन करीब 15-20 साल बाद। सभी अब तीनों दोस्त शादीशुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। वे अपनी जिंदगी के मिड-लाइफ क्राइसिस से गुजर रहे हैं। इस बार कहानी कॉलेज में नहीं होगी, क्योंकि अब वक्त और जिंदगी दोनों बदल चुके हैं।

लाइफ Style

श्रद्धा

ईथा में फिर छोड़ा अदाकारी का असर

सबसे पसंदीदा एक्ट्रेस में से एक श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' में अपनी परफॉर्मेंस से फैंस को इंप्रेस करने के लिए तैयार हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बन रही यह फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर तमाशा और लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यह फिल्म 1940 से 1990 के दशक तक की कहानी दिखाएगी, जिसमें उनके मशहूर होने का सफर और उनके संघर्ष शामिल होंगे। फिल्म की पहली झलक दिखा गई है। इस बायोपिक का पहला टीजर 19 जून को शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ सिनेमाघरों में दिखाया गया। जैसे ही फिल्म का पहला शो शुरू हुआ, दर्शकों को श्रद्धा की एक हैरान करने वाली और नई झलक देखने को मिली। टीजर में वह लावणी डांसर के रोल में शानदार लग रही थीं। 'ईथा' का टीजर मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी के सबसे यादगार पलों में से एक को दिखाता है। श्रद्धा कपूर पहले ही सीन से इस किरदार में पूरी तरह ढल जाती हैं और इस मशहूर कलाकार की मजबूती और हिम्मत को बखूबी दिखाती हैं। टीजर में विठाबाई को बहुत ज्यादा प्रेग्नेंट होने के बावजूद पूरे जोश और लगन के साथ स्टेज पर परफॉर्म करते हुए दिखाया गया है। टीजर में, परफॉर्मेंस के दौरान उन्हें एहसास होता है कि वह बच्चे को जन्म देने वाली हैं। शो को बीच में न छोड़ने का पक्का इरादा करते हुए, वह शांत रहती हैं और बैकस्टेज जाती हैं, जहां वह बच्चे को जन्म देती हैं। हिम्मत की एक अनोखी मिसाल पेश करते हुए, विठाबाई पत्थर से गर्भनाल काटती हैं और अपनी परफॉर्मेंस पूरी करने के लिए वापस स्टेज पर आ जाती हैं।

हॉलीवुड मसाला

भारत में रिलीज होगी डोरेमोन की यह फिल्म

लॉस एंजिल्स। कार्टून की दुनिया का सबसे लोकप्रिय किरदार डोरेमोन अब जल्द भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म 'डोरेमोन द मूवी: नोबिता एंड द कैसल ऑफ द अंडरसी डेविल' इस साल दिसंबर में रिलीज होने जा रही है। गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी कर फैंस के साथ यह जानकारी साझा की। फिल्म का प्रीमियर 20 जून से शुरू होने वाले पीपी कल्चर फेस्टिवल में किया जाएगा। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि इस फिल्म को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

आज के बच्चों को आईना दिखाती है टॉय स्टोरी 5

मुंबई। कभी गुड्डे-गुड़ियों की शादी कराते, तो कभी छोटे खिलौनों के साथ एक नई दुनिया बुनते बच्चों के हाथों में जब से फोन और टैबलेट आए हैं, तब से खिलौनों से उनका नाता बहुत कम हो गया है। बाहर खिलखिलाकर खेलना, असली दोस्त बनाना जितना अहम है, यह बेहद खूबसूरती से दिखाती है 31 सालों से चल रही एनिमेटेड एडवेंचर कॉमेडी टॉय स्टोरी सीरीज की पांचवीं फिल्म टॉय स्टोरी 5। कहानी है बॉनी (स्कारलेट स्पेंसर) की जो खिलौनों से तो खूब खेलती है, लेकिन दोस्त नहीं बना पाती है। उसके माता-पिता उसके लिए लिलीपैड (ग्रीन टी) डिवाइस वाली टैबलेट ले आते हैं, जिस पर बॉनी के डांस क्लास के दोस्त ऑनलाइन बनते हैं। बॉनी अपने खिलौनों से दूर हो जाती है।

एक्टर हेनरी के साथ नजर आईं सारा

मुंबई। गुरुवार की शाम हॉलीवुड और बॉलीवुड का शानदार संगम देखने को मिला। जब 'सुपरमैन'फेम एक्टर हेनरी कैविल और बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। दोनों कलाकार एक लग्जरी वॉच ब्रांड के इवेंट में शामिल हुए। इवेंट में पटौदी खानदान की युवा राजकुमारी सारा अली खान अपने शाही अंदाज में नजर आईं। सारा ने इवेंट से कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। सारा ने इस खास इवेंट के लिए मोनोक्रोमैटिक आइवरी आउटफिट चुना। इसके साथ उन्होंने अपनी खूबसूरती और शालीनता का बेहतरीन मेल पेश किया। उनके लुक में एक तरफ जहां विंटेज चार्म था वहीं दूसरी तरफ आधुनिक भव्यता भी नजर आई। उन्होंने रिच टेक्सचर वाले ट्वीड-स्टाइल फैब्रिक से बनी स्ट्रक्चर्ड मिडी-लेंथ शीथ ड्रेस पहनी थी।

18 महीने तक नहीं देंगे कोई इंटरव्यू

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों 'डॉन 3' को लेकर चल रहे विवाद के कारण सुर्खियों में हैं। खबरों के मुताबिक, रणवीर ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने तय किया है कि वह अगले 18 महीनों तक किसी भी तरह का इंटरव्यू नहीं देंगे और इस विवाद पर कोई बयान भी नहीं देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर ने यह बात एक ट्रेड जर्नलिस्ट से मुलाकात के दौरान खुद कही। उन्होंने साफ कर दिया कि वह 'डॉन 3' से जुड़े किसी भी सवाल पर बात नहीं करेंगे और अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की रिलीज तक मीडिया से दूरी बनाए रखेंगे। दरअसल, रणवीर सिंह और फिल्ममेकर फरहान अख्तर के बीच 'डॉन 3' को लेकर मतभेद हो गए थे। कहा जा रहा है कि रणवीर फिल्म की स्क्रिप्ट और बार-बार हो रही देरी से खुश नहीं थे। इसी वजह से उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला लिया।

टीवी मसाला

बाघा का रो-रोकर बुरा हाल मां को यादकर फफक पड़े

नई दिल्ली। पॉपुलर टीवी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बाघा का किरदार निभाकर मशहूर हुए तन्मय वेकारिया हाल ही सेट पर भावुक हो गए। तन्मय मां को याद कर इस कदर बिलख पड़े कि असित मोदी को शूटिंग बीच में ही रोकनी पड़ी और वह एक्टर को संभालते दिखे। सोशल मीडिया पर 'तारक मेहता...' के सेट से वीडियो सामने आया है, जिसे देख फैंस भी भावुक हो गए हैं। वीडियो में नजर आ रहा है कि तन्मय वेकारिया सीन के बीच भावुक हो गए और फूट-फूटकर रो पड़े। यह देख शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और संभालते दिखे। तन्मय वेकारिया एक सीन शूट कर रहे थे, जो बाघा और बावरी की लव स्टोरी से जुड़ा था। लेकिन, जैसे ही कैमरा रोल होना शुरू हुआ, तन्मय भावुक हो गए। दरअसल, तन्मय वेकारिया की मां उन्हें बाघा के रोल में बेहद पसंद करती थीं, पर हाल ही उनका निधन हो गया। फिलहाल शो में बाघा और बावरी की लव स्टोरी का ट्रैक दिखाया जा रहा है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। लेकिन, तन्मय इस दुख को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे कि अब उनके लिए दर्शकों के इस प्यार और बाघा के रूप में उन्हें देखने के लिए मां दुनिया में नहीं हैं, और वह रोने लगे। तन्मय वेकारिया का हाल देख सेट का माहौल पल में बदल गया और हर किसी की आंखें नम हो गईं। शूटिंग भी रोक दी गई। असित मोदी के अलावा 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर्स और बाकी टीम तन्मय वेकारिया के पास जाकर उन्हें संभालने लगी। इसके बाद तन्मय ने अपनी मां से जुड़ी कई प्यारी यादें साझा कीं और बताया कि कैसे वह 'बाघा' वाले हर एपिसोड को देखने का बेसब्री से इंतजार करती थीं।

माता-पिता का करें सम्मान : इमरान

मुंबई। छोटे पर्दे के मशहूर कलाकार के तौर पर अभिनेता इमरान खान को जाना जाता है। फादर्स डे के खास अवसर को ध्यान में रखते हुए इमरान ने आज के समय में बच्चों को अनुशासन सिखाने और माता-पिता सम्मान को लेकर चर्चा की है।

धारावाहिक जागृति में महेश देशमुख की भूमिका निभाने वाले अभिनेता इमरान खान कहते हैं- खाहिर पिता मैं अपने बच्चों से सम्मान और अनुशासन की उम्मीद करता हूं। बच्चों को अपने माता-पिता को सम्मान देना ही चाहिए। यह मैं खासतौर पर आज की जेन जी पीढ़ी के लिए कहना चाहता हूं। हर माता-पिता अपने बच्चों को पालने के लिए बहुत मेहनत करते हैं। इसलिए, माता-पिता को उन्हें जवाब देना और सम्मान न करना मुझे नहीं पसंद है। माता-पिता को भी अपने बच्चों को बचपन से ही ये चीजें सिखानी चाहिए। मैंने देखा है कि कुछ माता-पिता अपने बच्चों को बहुत लाड़-प्यार देते हैं, लेकिन उन्हें लोगों का सम्मान करना और तमीज सिखाना भूल जाते हैं।

धमाल 4 का नया गाना कहर रिलीज, गुरु रंधावा ने लगाया तड़का

मुंबई। इस साल की एक और अवेटेड फिल्म 'धमाल 4' के ट्रेलर और हाल ही में रिलीज हुए जबरदस्त गाने 'चटनी' के बाद, 'धमाल 4' के मेकर्स ने अब एक और नया गाना 'कहर' रिलीज किया है। मजा कई गुना बढ़ाने वाला यह गाना सभी को एनर्जी और एंटरटेनमेंट से भरपूर एक जबरदस्त म्यूजिकल सफर पर ले जाता है। गाने में 'धमाल 4' की कास्ट के साथ गुरु रंधावा ने टीमअप किया है और गजब के पंजाबी वाइब्स दे रहे हैं। इस गाने को गुरु रंधावा ने गाया है और इसके बोल और संगीत गिल मचराई, रोनी अजनाली और गुरु रंधावा ने दिए हैं। संजीव के प्रोड्यूस और अरेंज किए गए इस गाने में दर्शकों को एक मजेदार सफर पर ले जाया जाता है, जिसमें 'धमाल बॉयज' गुरु के रंग में रंगे हुए, अपने सबसे अनोखे अंदाज में और पीयूष व शाजिया के कोरियोग्राफ किए गए अपने जबरदस्त हुक स्टेप के साथ खूब धमाल मचाते हुए नजर आते हैं। इस गाने में एक्ट्रेस कैतिका शर्मा भी एक स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देती हैं। हर उम्र के लोगों के लिए जबरदस्त मनोरंजन का वादा करते हुए, 'धमाल 4' में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा जैसे दमदार कलाकार एक साथ नजर आएंगे।

वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे अक्षय, लिया माता का आशीर्वाद

नई दिल्ली। अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में अक्षय फिल्म की रिलीज से पहले माता वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचे। अक्षय ने त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित इस पवित्र मंदिर में माथा टेका और आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में अभिनेता को देखते ही वहां मौजूद फैंस ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान अक्षय कुमार पारंपरिक सफेद कुर्ता पहने नजर आए। सोशल मीडिया पर भी अक्षय के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें फैंस उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले कुमार यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाने से पहले अक्षय यात्रा के बेस कैंप कटरा पहुंचे। एक्टर के आने से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। कई लोग फिल्म स्टार की एक झलक पाने की उम्मीद में रास्ते में और मंदिर परिसर में जमा हो गए। अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन किए और लौटने से पहले कुछ समय पूजा-अर्चना में बिताया। अहमद खान द्वारा निर्देशित 'वेलकम टू द जंगल' में अक्षय कुमार समेत 34 कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनमें अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, आफताब शिवदासानी और जैकी श्रॉफ समेत कई अन्य नाम शामिल हैं। यह फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वेलकम टू द जंगल की रिलीज से पहले अक्षय ने लिया वैष्णो देवी का आशीर्वाद

आकाश हैं, धूप में छांव हैं, जब टूट जाओ तो हिम्मत हैं पिता

पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी हैं ये फिल्में, दर्शकों के दिलों को जीतने में रहीं कामयाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

'पिता सिर्फ एक रिश्ता नहीं है, वह एक भरोसा होना चाहिए, जो तुम्हें यकीन दिलाए कि अगर पूरी दुनिया भी तुम्हारे सामने खड़ी हो जाए न तो तुम लड़ लोगे!' यह डायलॉग है शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का। फिल्म में यह संवाद नयनतारा बोलती हैं। और, सही मायने में यह फिल्म में कह देने भर की बात नहीं है, बल्कि जिंदगी की हकीकत है। पिता आकाश हैं। धूप में छांव हैं। जब टूट जाओ तो पिता हिम्मत हैं। निर्माता-निर्देशकों ने भी इस रिश्ते की खूबसूरती को पर्दे पर दिखाने की कोशिश की है।

जवान

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में भी बाप-बेटे की कहानी है। फिल्म में शाहरुख पिता और पुत्र की दोहरी भूमिका में हैं। फिल्म का ये डायलॉग खूब हिट हुआ है, 'बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर।' अभिनय के मामले में भी शाहरुख का पिता के रूप में विक्रम राठौर का किरदार काफी ज्यादा पसंद किया गया।

गदर 2

फिल्म 'गदर 2' बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है, जहां पिता के रूप में सनी देओल अपने बेटे (उत्कर्ष शर्मा) के लिए पाकिस्तान तक पहुंच गए। जीते (उत्कर्ष शर्मा) जब पाकिस्तान में फंस जाता है, तो वह पाकिस्तानी फौजी अफसर से कहता है, 'दुआ कर कि मेरा बाप यहां ना आए। अगर मेरा बाप यहां आ गया, तो तेरे इतने टुकड़े करेगा, इतने टुकड़े करेगा...' वहीं तारा सिंह भी भले ही घर में जवान बेटे पर हाथ उठा देता हो, लेकिन बेटे के मुसीबत में फंस जाने पर सारे खतरे उठाकर पाकिस्तान चल पड़ता है। इससे पहले बाप से अक्सर नाराज रहने वाला बेटा भी अपने पिता को तलाशने की खातिर दुश्मन मुल्क पाकिस्तान में जाने का जोखिम उठाता है। फिल्म में एक और भावुक कर देने वाला संवाद है, जब जीते एक जगह कहता है, 'जिसके ऊपर पिता का साया है, उसे फिक्र करने की क्या जरूरत।'

ओएमजी 2

फिल्म 'ओएमजी 2' भी पिता-पुत्र की कहानी पर आधारित है, जिसमें एक पिता अपने मासूम बेटे के लिए कोर्ट तक जाता है। फिल्म में दिखाया गया कि जब नाबालिग बेटा अपना वीडियो वायरल होने के चलते परेशानी में था और सारी दुनिया उसके खिलाफ थी, तब उसके बाप ने ही उसका पूरी मजबूती से साथ दिया। यही नहीं, वह अपने बेटे की खातिर अपना सब कुछ दांव पर लगाकर सारी दुनिया से भिड़ने से भी नहीं हिचकिचाया।

टाइगर 3: सलमान खान की फिल्म 'टाइगर 3' भी बाप-बेटे की कहानी कहती है। फिल्म में सलमान खान का एक संवाद है, 'मेरे बेटे को मैं नहीं, हिस्ट्री बोलेगा कि उसका बाप क्या था गद्दार या देशभक्त।' जिंदा रहा तो आपकी खिदमत में फिर हाजिर नहीं तो जय हिंद।' यह फिल्म भी पिता-पुत्र के रिश्ते पर बनी है।

एनिमल : रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' भी इस लिस्ट में शामिल है। इसमें रणबीर के पिता की भूमिका में अनिल कपूर नजर आए। अनिल कपूर को एक ऐसे सख्त पिता की भूमिका में दिखाया गया, जो अपने बेटे को किसी लायक नहीं समझता। हालांकि, बाद में फिल्म एक भावुक मोड़ लेती है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई।

102 नॉट आउट: अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर की ये फिल्म भी बाप-बेटे के रिश्ते पर बनी है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने 102 साल की उम्र के पिता का रोल निभाया था, जबकि दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर इसमें 75 साल के उनके बेटे की भूमिका में दिखाई दिए थे। फिल्म में बाप-बेटे की बेहतरीन केमिस्ट्री देखने को मिली। इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया था।

पा : साल 2009 में अमिताभ, अभिषेक और विद्या बालन अभिनीत फिल्म 'पा' ने सिनेमा जगत के कई रिकॉर्ड्स तोड़े, जब प्रोजेरिया से पीड़ित बेटे का किरदार निभाया अमिताभ बच्चन ने और उनके पिता का किरदार खुद उनके बेटे अभिषेक ने निभाया। एक बेहद मार्मिक कहानी जो 13 साल के एक बीमार बच्चे की है। इसमें जहर और आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा है। आर बाल्की ने इस फिल्म में पिता और पुत्र के एक अनोखे रिश्ते को दर्शाया है जो एक-दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त हैं।

बुंदेलखंड में दिख रहा विकास का नया मॉडल : सीएम योगी

- विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बोले सीएम- 'राष्ट्र प्रथम' भाजपा की पहचान
- विकसित भारत के लिए पंच प्रण जरूरी, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊंचाइयों को छुआः सीएम योगी
- सत्ता से बाहर होने पर समाज को जाति-धर्म के नाम पर बांटने में जुटीं सपा व कांग्रेसः सीएम योगी
- कांग्रेस के लिए गांधी परिवार, सपा के लिए सैफई परिवार ही महत्वपूर्णः मुख्यमंत्री
- सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया की कमर टूट चुकी या मिट्टी में मिल गया

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड अब पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं, बल्कि विकास का नया मॉडल बन रहा है। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, फार्मा पार्क और रोजगार के नए अवसरों ने क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। अब बुंदेलखंड का युवा पलायन नहीं कर रहा, बल्कि सरकारी नौकरियों और उद्योगों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रहा है। सरकार का लक्ष्य हर नौजवान को रोजगार, हर किसान के खेत तक पानी और हर गांव को आत्मनिर्भर बनाना है। विकसित भारत का सपना तभी पूरा होगा जब उत्तर प्रदेश का हर जिला, हर गांव और हर नगर आत्मनिर्भर और विकसित बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मंत्र दिया, जिसके कारण भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ भारतवासियों का सामूहिक प्रयास ही विकसित भारत की नींव है। जब पूरा देश एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ता है तो गुलामी के प्रतीकों को हटाने और भगवान राम के भव्य मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक कार्यों में देर नहीं लगती। राम मंदिर केवल प्रभु रामलला का मंदिर नहीं, बल्कि नए भारत के राष्ट्र मंदिर के निर्माण की शुरुआत है।

कांग्रेस-यूपीए ने खराब की देश की व्यवस्था

सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के समय देश की स्थिति बदहाल हो चुकी थी। भ्रष्टाचार चरम पर था, अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही थी और दुनिया में भारत का सम्मान कम हो गया था। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। आज भारत दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। बुंदेलखंड में डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और बड़े निवेश इसकी मिसाल हैं। सपा सरकार के रहते उत्तर प्रदेश में आतंक व असुरक्षा का वातावरण बनाने वाले माफिया की कमर टूट चुकी है या मिट्टी में मिल गया है।

जाति-धर्म के नाम पर समाज को बांट रहा विपक्ष

मुख्यमंत्री ने सपा व कांग्रेस पर समाज को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब इन दलों के पास सत्ता थी तब ये केवल अपने परिवार के लिए काम करते थे। जनता ने जब इन्हें सत्ता से बाहर कर दिया तो अब ये जाति-धर्म के नाम पर समाज को बांटने में जुटे हैं। विदेशी आक्रांताओं ने भी भारत को इसी तरह विभाजित कर कमजोर किया था। इसलिए सामाजिक एकता व राष्ट्रवाद ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। भाजपा कार्यकर्ता समाज को जोड़ने और राष्ट्र निर्माण के लिए काम करता है, जबकि विपक्ष विभाजनकारी राजनीति में लगा हुआ है।

कांग्रेस के लिए गांधी परिवार, सपा के लिए सैफई परिवार ही महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस से पूछिए कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है, तो वह गांधी परिवार का नाम लेगी। समाजवादी पार्टी से पूछिए तो वह सैफई परिवार को सबसे ऊपर बताएगी। भाजपा कार्यकर्ता सबसे पहले राष्ट्र को महत्व देता है। भाजपा की राजनीति 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पर आधारित है और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। भाजपा कार्यकर्ता देश की सुरक्षा, समृद्धि और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित भाव से काम करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से विकसित भारत के संकल्प को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कोविड काल में पीएम मोदी ने दिया 'विकसित भारत' का विजन

सीएम योगी ने कहा कि 2022 में जब पूरी दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी और कई देश हिम्मत हार चुके थे, उस समय प्रधानमंत्री मोदी जी देशवासियों को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से जोड़ रहे थे। मोदी जी ने विकसित भारत के लिए पंच प्रण का मंत्र दिया। इसमें गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत का सम्मान, सेना व सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान, सामाजिक एकता और नागरिक कर्तव्य को सबसे महत्वपूर्ण बताया गया है। कोई भी देश तब तक आत्मनिर्भर नहीं बन सकता, जब तक वह गुलामी की मानसिकता से बाहर नहीं निकलता। भारत के पास ज्ञान, संस्कृति, परंपरा व आर्थिक समृद्धि सब कुछ था, लेकिन पहले मुगलों और बाद में अंग्रेजों ने भारतीय व्यवस्था को कमजोर कर दिया था।

भगवान राम राजा की परंपरा का किया जिक्र

मुख्यमंत्री ने ओरछा में भगवान राम राजा की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी के दौर से गुजर रहा था, तब संत तुलसीदास जी ने भारतीय संस्कृति और आस्था को मजबूत करने का आह्वान किया था। तुलसीदास जी को कई बार अकबर के दरबार में जाने और नवरत्नों में शामिल होने का प्रस्ताव मिला, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया। उन्होंने रामलीलाओं की शुरुआत करवाई और 'राजा रामचंद्र की जय' का उद्घोष कराया। ओरछा में आज भी भगवान राम राजा के रूप में विराजमान हैं। इस अवसर पर विधानपरिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह, सांसद अनुराग शर्मा, महापौर बिहारी लाल आर्य, विधायक रवि शर्मा, राजीव सिंह, जवाहर लाल राजपूत, रश्मि आर्य, एमएलसी रमा निरंजन, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल आदि मौजूद रहे।

साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम द्वारा विभिन्न माध्यमों से धोखाधड़ी का शिकार होने वाले 03 पीड़ितो के खाते में कुल 1.54 लाख रुपए कराये गए वापस

(यंग भारत न्यूज)

विवरण- वर्तमान में साइबर अपराधियों द्वारा लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिका बनाए जा रहे हैं । कभी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुकिंग, लोन दिलाने का झांसा, निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच, फर्जी कस्टमर केयर कॉल, डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी या सोशल मीडिया के माध्यम से भेजे गए लिंक के जरिए लोगों की निजी और बैंकिंग जानकारी हासिल कर उनसे ठगी की जा रही है । जागरूकता/जागरुकता की कमी और जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों का फायदा उठाकर साइबर ठग आम नागरिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं । इस तरह के बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा साइबर टीम को ऐसे अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा श्री शिवराज के निकट पर्यवेक्षण एवं सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम सुश्री मेविस टॉक के नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना बांदा टीम द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए विभिन्न माध्यमों से साइबर ठगी के शिकार हुए 03 पीड़ितों के खाते में कुल 1,54,000/ रुपए सफलतापूर्वक वापस कराई गई ।

1- थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के स्वराज कॉलोनी निवासी दिलीप कुमार ऑनलाइन डॉक्टर की अपॉइंटमेंट बुक करने का प्रयास कर रहे थे इसी दौरान साइबर अपराधियों ने उन्हें एक फर्जी लिंक भेजा और अपॉइंटमेंट की प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर उस पर क्लिक करने के लिए कहा गया लिंक पर दी गई जानकारी भरने के बाद साइबर ठगों ने उनके बैंक खाते से कुल 90 हजार रुपये निकाल लिए ठगी का एहसास होने पर दिलीप कुमार ने मामले की शिकायत दर्ज कराई ।

2- थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी निवासी नंदिता चौहान को साइबर ठगों ने आसान और त्वरित लोन उपलब्ध कराने का झांसा दिया और प्रोसेसिंग शुल्क, फाइल चार्ज और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर लोन स्वीकृत होने का भरोसा दिलाते हुए उनसे कुल 42 हजार रुपये ठग लिए गए । बाद में धोखाधड़ी का पता चलते ही मामलें की शिकायत दर्ज कराई ।

3- थाना बबेरु क्षेत्र निवासी राहुल को साइबर ठगों द्वारा फोन कर स्वयं को पुलिस/जांच एजेंसी का अधिकारी बताकर राहुल पर अश्लील वीडियो देखने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कानूनी कार्यवाही करने की धमकी दी गई । भयभीत होकर राहुल ने मामले के समाधान हेतु कथित जुर्माने के रूप में ठगों द्वारा बताए गए खाते में 22 हजार रुपये जमा कर दिए । बाद में उन्हें पता चला कि वे साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं, जिसके बाद उन्होंने शिकायत दर्ज कराई । साइबर क्राइम पुलिस थाना बांदा की टीम द्वारा प्राप्त उक्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित बैंकिंग संस्थाओं, वित्तीय पोर्टलों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों व विभागों से समन्वय एवं प्रभावी पत्राचार के माध्यम से साइबर ठगी में फंसी धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराते हुए कुल ?1,54,000/ की धनराशि तीनों पीड़ितों के खातों में सफलतापूर्वक वापस कराई गई । सभी आवेदकों/पीड़ितों द्वारा अपनी धनराशि वापस पाने पर पुलिस टीम की सराहना करते हुए हृदय से धन्यवाद दिया गया । बांदा पुलिस द्वारा आमजन से अपील करती है कि किसी भी अज्ञात लिंक, कॉल, मैसेज अथवा ऑनलाइन निवेश संबंधी प्रलोभन अथवा डर एवं भय उत्पन्न करने वाले संदेशों/कॉलों के प्रभाव में न आएं । किसी भी भ्रामक अथवा भय उत्पन्न करने वाले संदेशो पर प्रतिक्रिया देने से पूर्व सत्यापन अवश्य करें । तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 अथवा निकटतम साइबर थाना/पुलिस कार्यालय में शिकायत दर्ज कराएं।

वापस करायी गई कुल धनराशि-

03 पीड़ितो के कुल 01 लाख 54 हजार रुपये ।

टीम का विवरण-

1. श्री राममोहन राय प्र0नि0 साइबर क्राइम पुलिस थाना
2. उ0नि0 श्री प्रदीप कुमार सिंह
3. कां0 धर्मेन्द्र कुमार
4. कां0 हिमांशु वर्मा
5. कां0 ललित कुमार
6. म0कां0 ज्योति उपाध्याय

उत्तर प्रदेश के 2.17 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में आई 4352.40 करोड़ की 'सम्मान निधि

- -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल से जारी की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त
- -झांसी में आयुक्त सभागार से कार्यक्रम में वर्चुअल जुड़े मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
- -अन्नदाता के परिश्रम, सम्मान और समृद्धि के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है सम्मान निधिः मुख्यमंत्री

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी की। इससे उत्तर प्रदेश के 2.17 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए, उनके खाते में 4352.40 करोड़ रुपये की 'सम्मान निधि' आई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी स्थित आयुक्त सभागार में इस कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

झांसी में वर्चुअल जुड़े मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल से पीएम किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त भेजी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी से ऑनलाइन जुड़े। यहां सांसद अनुराग शर्मा, राज्यमंत्री मनोहर लाल 'मन्नू कोरी', विधायक जवाहर लाल राजपूत, उप्र गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि भी जुड़े रहे।

अन्नदाता की समृद्धि और खुशहाली डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट कर उत्तर प्रदेश के सभी किसान साथियों की ओर से इस ऐतिहासिक सौगात के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अन्नदाता किसानों की समृद्धि और खुशहाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी संकल्प की सिद्धि हेतु आज प्रधानमंत्री जी द्वारा पश्चिम बंगाल से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' की 23वीं किस्त के रूप में ?18,880 करोड़ से अधिक की धनराशि देश के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों को हस्तांतरित की गई है। इनमें उत्तर प्रदेश के 2.17 करोड़ से अधिक किसान भी लाभान्वित हुए हैं, जिनके खातों में ?4,352.40 करोड़ की राशि सीधे पहुंची है। यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अन्नदाता के परिश्रम, सम्मान और समृद्धि के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है।

दो-दो हजार रुपये आए बैंक खाते में

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डीबीटी के माध्यम से दो-दो हजार रुपये सीधे लाभार्थी के खाते में हस्तांतरित हुए। इसमें पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता वर्ष में दो-दो हजार रुपये प्रति किस्त के रूप में तीन बार में प्रदान किए जाने की व्यवस्था है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 फरवरी 2019 को गोरखपुर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत की थी।

उत्तर प्रदेश के किसानों के खाते में अब तक आ चुके 103,391.24 करोड़ रुपये

शनिवार को 4352.40 करोड़ जारी होने के बाद उत्तर प्रदेश के किसानों के खाते में अब तक 103,391.24 करोड़ रुपये की सम्मान निधि आ चुकी है।

वर्ष	धनराशि
2018-19	2238.92 करोड़
2019-20	11006.87 करोड़
2020-21	14,432.14 करोड़
2021-22	15,775.52 करोड़
2022-23	12,454.32 करोड़
2023-24	13,808.48 करोड़
2024-25	15,594.74 करोड़
2025-26	13,727.85 करोड़
2026-27 (अप्रैल-जुलाई)	4352.40 करोड़

कुल- 1,03,391.24 करोड़ रुपये

राजेश कमल बने कालपी के नए सीओ, कानून व्यवस्था को मजबूत करने की चुनौती संभाली

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। 2018 बैच के पीपीएस अधिकारी राजेश कमल ने शनिवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) कालपी का पदभार ग्रहण किया। हमीरपुर में तीन वर्षों तक सफल सेवाएं देने के बाद कालपी पहुंचे नए सीओ से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने की उम्मीद जताई जा रही है।

कालपी सर्किल को नया पुलिस नेतृत्व मिल गया है। 2018 बैच के पीपीएस अधिकारी राजेश कमल ने शनिवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) कालपी का पदभार ग्रहण कर लिया। उनके आगमन से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जागी हैं। बिहार के पटना जनपद के मूल निवासी राजेश कमल इससे पहले जनपद हमीरपुर में तैनात थे, जहां उन्होंने करीब तीन वर्षों तक सिटी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाली और अपनी सक्रिय कार्यशैली तथा अनुशासनप्रिय छवि के लिए पहचान बनाई। पदभार ग्रहण करने के बाद सीओ राजेश कमल ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने पुलिस कर्मियों को जनता के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह रहने के निर्देश दिए। साथ ही अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और जनसुनवाई को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर देने की बात कही। कालपी क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, अतिक्रमण, यातायात प्रबंधन तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने जैसी चुनौतियां मौजूद हैं। ऐसे में स्थानीय नागरिकों को नए सीओ से काफी अपेक्षाएं हैं। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उनका स्वागत करते हुए बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

समझौते के लिए गए थे भाजपा नेता भारत सिंह, खनन विवाद में जिंदा जलाए गए; कैसे इतनी बढ़ी रंजिश

(यंग भारत न्यूज)

कोरिया जिले में भाजपा नेता भारत सिंह समेत तीन लोगों को जिंदा जलाकर मार डालने के मामले में नए खुलासे हुए हैं. जानकारी मिली है कि वह सोनहत पुलिस थाना क्षेत्र के तहत आने वाले एक गांव में खनन विवाद में समझौता कराने के लिए गए थे.

इसी दौरान उनकी फॉर्च्यूनर कार को ट्रक से टक्कर मार दी गई. उनकी कार टक्कर के बाद जल गई और भारत सिंह समेत तीनों लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई. छत्तीसगढ़ पुलिस ने इस मामले में अब तक अक्षत त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी को अरेस्ट कर लिया है. इसके अलावा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों के तहत कुल 9 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है. इस घटना के बाद पूरे कोरिया जिले में ही दहशत का माहौल है और इलाके में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर फोर्स को तैनात किया गया है. भारत सिंह की इस तरह क्रूरता से हत्या किए जाने की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है. उन्हें इलाके में लल्ला सिंह के नाम से भी जाना जाता था और वह जनपत पंचायत अध्यक्ष भी रहे थे. आरोपियों के परिवार का भी भाजपा से ही कनेक्शन बताया जा रहा है. शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सिंह के परिवार को इलाके में खनन का ठेका मिला था. स्थानीय लोगों का दावा है कि इसी को लेकर विवाद था. खनन, ट्रांसपोर्टेशन पर कब्जे को लेकर खींचतान की स्थिति थी. कोरिया जिले के सोनहत, कैलाशपुर, तेलीमुड़ा, बेलिया और छिंगुरा में खनन कारोबार को लेकर खींचतान चल रही थी. इसी को लेकर समझौता वार्ता के उद्देश्य से भारत सिंह उर्फ लल्ला भैया पहुंचे थे. कहा जा रहा है कि यह विवाद कई महीनों से भारत सिंह के गुट और भाजपा के दूसरे नेता मनोज त्रिपाठी के परिवार के बीच चल रहा था. त्रिपाठी परिवार भी खनन कारोबार में शामिल रहा है और बैकुंठपुर में उसका बिजनेस रहा है. भारत सिंह और मनोज त्रिपाठी के परिवार के बीच इसी खनन कारोबार को लेकर विवाद था. फिर यह विवाद धीरे-धीरे प्रभाव और प्रतिष्ठा से भी जुड़ गया. मंगलवार की रात को यह विवाद अपने चरम पर पहुंच गया और हिंसा में भारत सिंह अपने दो समर्थकों के साथ मारे गए. शुरुआती जांच में पता चला है कि भारत सिंह की फॉर्च्यूनर कार को आगे और पीछे से ट्रकों से घेर लिया गया था. ट्रकों ने कार को ऐसा घेरा था कि वह निकल कर भाग नहीं सके. इसी दौरान कार को आग के हवाले कर दिया गया. कुछ लोगों का कहना है कि ट्रक की टक्कर से कार में आग लगी थी. इसी के चलते भारत सिंह और उनके साथी कार के अंदर ही जल गए. भारत सिंह के अलावा मरने वाले दो अन्य लोगों की पहचान वीरेंद्र सिंह और नागेंद्र सिंह के रूप में हुई है. नागेंद्र सिंह पेशे से टीचर थे और भारत सिंह के चचेरे भाई थे.

आज इसे खत्म कर दो...बीएफ का फरमान सुनते ही आधी रात को निहारिका कश्यप ने पति पर चला दिया चाकू,11 दिन बाद मौत

(यंग भारत न्यूज)

कानपुर। प्रदेश के कानपुर जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है. यहां एक पत्नी निहारिका कश्यप आधी रात छिपकर अपने कथित बॉयफ्रेंड से फोन पर बात कर रही थी. ऐसे में जब पति मनीष गुप्ता ने इसका विरोध किया तो गुस्साई पत्नी के पति पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. पेट में गंभीर घाव होने के कारण पीड़ित कारोबारी अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा था. लेकिन 11 दिनों के इलाज के बाद आखिरकार मंगलवार सुबह उसने दम तोड़ दिया. मृतक के परिवार का आरोप है कि वारदात के वक्त महिला का प्रेमी फोन लाइन पर था और उसी के उकसाने पर इस खूनी खेल को अंजाम दिया गया. यह पूरा मामला फीलखाना थाना क्षेत्र के बालाजी धाम की है. यहां रहने वाले कारोबारी रामकिशोर गुप्ता के 45 साल के बेटे मनीष गुप्ता किराना बाजार में ब्रोकर थे. इसी दौरान उनकी मुलाकात बिरहाना रोड स्थित एक स्कूल की शिक्षिका निहारिका कश्यप से हुई थी. दोनों के बीच प्यार हुआ और परिवार की रजामंदी से 30 जून 2017 को दोनों ने शादी कर ली. दोनों का एक छह साल का बेटा भी है. शादी के बाद मनीष ने ब्रोकिंग छोड़ दी थी

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718